MUMBAI TARANG TM

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

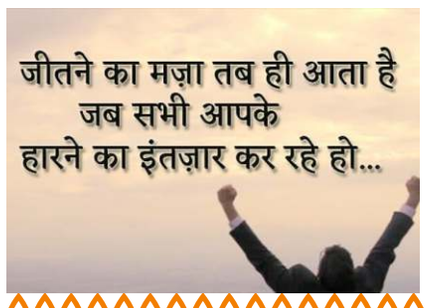

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-52 ❖ मुंबई ❖ रविवार 20 से 26 दिसंबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
जम्मू कश्मीर की बर्फबारी में महाराष्ट्र के दो जवान शहीद, एक जवान बुलढाणा तो दूसरा जलगांव से

पेज 5
मुरादाबाद लव जिहाद केस: कोर्ट को नहीं मिले सबूत, युवक को छोड़ने का आदेश, महिला के गर्भपात का अल्ट्रासाउंड में हुआ खुलासा

पेज 7
'ड्रग्स' वाले वीडियो पर नोटिस का करण जौहर ने दिया NCB को जवाब, जानें क्या कहा

पेज 8
बेस्ट से किसी को भी नौकरी से नहीं निकाला जाएगा- मेयर किशोरी पेडनेकर

बुलेट ट्रेन की जगह पर मेट्रो कारशेड बनाने की तैयारी, भाजपा ने जताया विरोध

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगने के बाद राज्य सरकार की ओर से मुंबई मेट्रो-3 परियोजना के कारशेड के लिए वैकल्पिक जगह के रूप में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में बुलेट ट्रेन परियोजना की जमीन पर विचार किए जाने को लेकर विपक्षी दल भाजपा ने आलोचना की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी के मेट्रो कारशेड के लिए कांजुरमार्ग में 102 एकड़ साल्ट पैन जमीन आवंटित किए जाने के आदेश पर रोक लगा दिया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडी) को मेट्रो कारशेड के लिए वैकल्पिक जगह खोजने के निर्देश दिए हैं।

डुबाने वाली है यह सलाहः फडणवीस

इस पर शुक्रवार को विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह समझ नहीं आता है कि सरकार का सलाहकार कौन है? बीकेसी में कारशेड बनाने की बात हास्यास्पद और बचकानी है। कारशेड के लिए बीकेसी में 25 से 30 हजार करोड़ रुपए की जमीन लेनी पड़ेगी। नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि बीकेसी में बुलेट ट्रेन का स्टेशन भूमिगत बनाया जाना है। स्टेशन के लिए भूतल पर केवल 500 मीटर की जगह का इस्तेमाल होगा। बाकी जगह पर इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर की इमारतें बनेंगी। लेकिन इसी जमीन पर भूमिगत मेट्रो कारशेड बनाया जाएगा तो इसके लिए 500 करोड़ रुपए की जगह पर 5 हजार करोड़ से अधिक राशि खर्च होगी। इसके अलावा कारशेड के वार्षिक रखरखाव के लिए पांच गुना खर्च बढ़ जाएगा। इसलिए यह सलाह सरकार को डूबाने वाली है।

बुलेट ट्रेन रोकना चाहती है यह सरकारः शेलार

भाजपा विधायक आशीष शेलार ने कहा कि सरकार कारशेड बनाने में गंभीर नहीं है। सरकार की नीयत बेईमानी की है। इसलिए सरकार जिस बीकेसी में कारशेड बनाया नहीं जा सकता वहां पर कारशेड बनाने के लिए प्रयास कर रही है। इसके जरिए सरकार मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को रोकना चाहती है।

बीकेसी के विकल्प पर हो रहा विचारः राऊत

इसके जवाब में प्रदेश के नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री कारशेड की जगह को लेकर लोगों से चर्चा के बाद सर्वसहमति से फैसला करेंगे। यह फैसला जनता के हित में होगा।

मुख्यमंत्री ठाकरे को सोनिया का पत्र संवाद प्रक्रिया का हिस्सा : थोराट

मुंबई, महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष बालासाहेब थोराट ने शनिवार को कहा कि पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी ने राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को जो पत्र भेजा है, वह किसी नाराजगी में नहीं, बल्कि संवाद प्रक्रिया के तहत लिखा गया है। सोनिया ने ठाकरे को एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री को राज्य की शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस सरकार के न्यूनतम साझा कार्यक्रम की याद दिलाई है और दलितों तथा आदिवासियों के कल्याण के लिए कुछ कदम उठाने पर जोर दिया है। सोनिया ने 14 दिसंबर को लिखे अपने पत्र में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के पेशेवरों के लिए सरकारी ठेकों में आरक्षण देने की बात की ताकि उनमें अन्य चीजों के साथ उद्यमशीलता को बढ़ावा मिल सके। थोराट ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन में दुखी नहीं है। वह प्रदेश के राजस्व मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा, "कांग्रेस का रुख हमेशा समाज के गरीब और वंचित वर्गों के कल्याण के पक्ष में रहा है और सोनिया गांधी का पत्र इस बात संबंध में संवाद का हिस्सा था कि कल्याणकारी कदम कैसे उठाए जा सकते हैं। इसमें कोई नाराजगी नहीं है।" इस बीच पत्र के बारे में पूछे जाने पर शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि सोनिया गांधी संप्रग की अध्यक्ष हैं और महाराष्ट्र के गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) की स्थापना में उनका योगदान रहा है। उन्होंने कहा, ''समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम गठबंधन का एजेंडा है तथा उद्धव ठाकरे उस दिशा में काम कर रहे हैं। संभव है कि महामारी के कारण कुछ मुद्दे पीछे चले गए हों। लेकिन सरकार धीरे-धीरे पटरी पर वापस लौट रही है और न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित कर रही है।'' एक सवाल का जवाब देते हुए राउत ने इस बात से इनकार किया कि पत्र के पीछे दबाव की कोई राजनीति है। उन्होंने कहा, ''इसमें कोई दबाव की राजनीति नहीं है।''

पीएमसी बैंक पर 31 मार्च तक पाबंदी, आरबीआई ने तीसरी बार बढ़ाए प्रतिबंध

मुंबई, घोटालों में फंसे सहकारी बैंक पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक (पीएमसी) के खाताधारकों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। रिजर्व बैंक ने उस पर लगाई गई पाबंदियों को बढ़ाकर 31 मार्च 2021 तक कर दिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पीएम सी बैंक पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (एएसीएस) की धारा 35 A के तहत जारी दिशा-निर्देशों के तहत यह पाबंदी बढ़ाई गई है। पीएमसी बैंक के रिकंस्ट्रक्शन और इसमें हिस्सेदारी खरीदने के लिए अब तक चार एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) मिले हैं। हालांकि

आरबीआई ने कंपनियों या निवेशकों के नाम का खुलासा नहीं किया है। बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए इन कंपनियों ने अपना EoI जमा कराया है। RBI की ओर से बताया गया है कि हिस्सेदारी खरीदने के लिए निवेशकों से प्रस्ताव मांगे गए थे। इसके लिए 15 दिसंबर तक आवेदन भेजने की अंतिम तारीख थी। बैंक के खाताधारकों व जमाकर्ताओं के हित को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय बैंक इन प्रस्तावों की जांच करेगा।

आरबीआई ने इससे पहले 20 जून को नकदी निकासी की सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया था।

आरबीआई ने इससे पहले 20 जून को नकदी निकासी की सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया था। घोटाला सामने आने के बाद पहली बार इस पर 6 महीने का प्रतिबंध लगाया गया था। फिर इसे बढ़ाकर 22 दिसंबर 2020 तक कर दिया था। अब एक बार फिर से आरबीआई ने इस प्रतिबंध को 31 मार्च के लिए बढ़ा दिया है।

जावेद अख्तर की शिकायत पर कंगना के खिलाफ जांच के आदेश

मुंबई। मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ पुलिस को जांच के निर्देश दिए है। कोर्ट ने यह निर्देश गीतकार जावेद अख्तर की ओर से की गई शिकायत पर सुनवाई के बाद दिया है। इस विषय पर किए गए आवेदन में अख्तर ने रनौत पर उनके खिलाफ मानहानि पूर्ण बयानबाजी करने का आरोप लगाया है। जिससे उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। इसलिए रनौत के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 499 व 500 के तहत मुकदमा चलाने का निर्देश दिया जाए। शनिवार को मैजिस्ट्रेट आरआर खान के सामने इस मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान गीतकार अख्तर को ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता निरंजन मुन्दरगी ने कहा कि रनौत ने एक न्यूज चैनल में इंटरव्यू के दौरान कथित तौर पर मेरे मुवक्किल के खिलाफ मानहानिपूर्ण टिप्पणी की है। यह इंटरव्यू फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़ा था। जिससे मेरे मुवक्किल का कोई संबंध नहीं था। फिर भी अनावश्यक रुप से मेरे मुवक्किल का नाम घसीटा गया। जबकि मेरे मुवक्किल का सुशांत मामले से कोई ताल्लुक नहीं है। फिर भी रनौत ने मेरे मुवक्किल के खिलाफ मानहानिपूर्ण टिप्पणी की। जिससे उनकी मुवक्किल की साख को धक्का लगा है। इसलिए नियमानुसार इस मामले की जांच के निर्देश दिए जाए। इन दलीलों को सुनने के बाद मैजिस्ट्रेट ने जुहू पुलिस को अख्तर की ओर से शिकायत में किए गए दावों की जांच करने को कहा और अपनी रिपोर्ट 16 जनवरी 2021 तक पेश करने का निर्देश दिया।

महिलाएं राजनीति में आसान निशाना बन जाती हैं: उर्मिला मातोंडकर

मुंबई, अभिनेत्री और शिवेसना नेता उर्मिला मातोंडकर ने कहा कि राजनीति की दुनिया में महिलाओं को आसानी से निशाना बनाया जाता है लेकिन उनके लिए ध्यान केंद्रित रखना जरूरी है। एक ऑनलाइन शो 'वी द वुमन' में पत्रकार बरखा दत्ता से शुक्रवार रात बातचीत के दौरान शिवसेना नेता ने कहा कि राजनीति महिलाओं समेत सभी के लिए 'जहरीली' बन चुकी है और वह इस बात को रजनीति में शामिल होने के दौरान जानती थीं। मातोंडकर ने कहा, '' मैं जानती थी कि यह मुश्किल होगा लेकिन फिल्मी करियर भी तो मुश्किल ही था।

यह एक जहरीली जगह है और यह सभी के लिए विषैली है और यहां कुछ भी आपको आश्चर्य में नहीं डालता है। महिलाएं इसका आसानी से निशाना बन जाती हैं।'' उन्होंने कहा कि राजनीति में महिलाओं के साथ भेदभाव है लेकिन उन्होंने लोगों के लिए काम करने के इरादे पर ध्यान केंद्रित रखना सीख लिया है। मातोंडकर ने कहा कि राजनीति के जरिए लोगों के साथ जुड़ने का उनका अपना फैसला था और नकारात्मक टिप्पणियों से उन्हें फर्क नहीं पड़ता है। इस शो में उनके साथ तमिलनाडु की मशहूर अभिनेत्री और भाजपा नेता खुशबू सुंदर, तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां भी थीं। जहां बांग्ला सिनेमा की दुनिया में काम कर चुकी हैं। सुंदर ने कहा कि उनका मानना है कि सिनेमा से ज्यादा राजनीति में पितृसत्तामक रवैया है और महिला कलाकारों के लिए इस क्षेत्र में आना मुश्किल है। वहीं जहां ने कहा कि जब वह राजनीति की दुनिया में आईं तो लोगों ने उनके प्रति कई तरह की धारणाएं बनाईं और इसकी पीछे उनका अभिनय की दुनिया से आना भी एक मुख्य वजह था। मातोंडकर और सुंदर ने सोशल मीडिया में ट्रोलिंग पर भी बात की। सुंदर ने कहा कि अब उन्होंने अपनी चमड़ी मोटी कर ली है लेकिन अब भी जब उनके परिवार को इंटरनेट पर निशाना बनाया जाता है, तो उन्हें दुख होता है। वहीं मातोंडकर ने कहा कि वह उस समय डर गयी थीं जब उनके पति, जो कश्मीरी मुस्लिम हैं को 'आतंकवादी और पाकिस्तानी' कहा गया था।

रत्नागिरी में 6 पर्यटक डूबे, 3 की मौत

मुंबई, रत्नागिरी जिले के आंजर्ले समुद्र तट के पास छह पर्यटकों के डूबने की घटना कल घटी है। इन छह पर्यटकों में से तीन को बचाने में सफलता मिली है। स्थानीय लोगों की मदद से डूब रहे ३ पर्यटकों को बचाने में सफलता मिली है। राज्य में पर्यटनस्थल खुलने के बाद क्रिसमस और नववर्ष की पार्श्वभूमि पर पर्यटनस्थलों पर काफी भीड़ होने लगी है। पर्यटक घूमने के लिए समुद्र किनारे पर जा रहे हैं। इसी के तहत पुणे के छह लोग रत्नागिरी जिले के दापोली तालुका के आंजर्ले समुद्र किनारे पर गए थे। दोपहर के समय समुद्र के पानी में उतरे थे और पानी का अंदाजा न मिलने के कारण छह लोग डूबने लगे। स्थानीय नागरिक तीन लोगों को बचाने में कामयाब हुए, बाकी अन्य तीन पर्यटक पानी में लापता हो गए थे। पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से लापता हुए पर्यटकों की तलाश शुरू थी लेकिन तीनों पर्यटकों की काफी खोजबीन के बाद उनके शव बरामद किए गए। स्थानीय लोगों की मदद से जिन पर्यटकों को बचाया गया था, उन तीनों पर्यटकों का दापोली के सरकारी अस्पताल में उपचार शुरू है। दापोली पुलिस स्टेशन में उक्त मामला दर्ज है। मामले की जांच जारी है।

कश्मीर में भारी बर्फबारी के बीच घाटी में घुसे २० आतंकी!

जम्मू, कश्मीर में बर्फबारी शुरू हो गई है। इस बर्फबारी के बीच पाकिस्तान अपने आतंकियों को सीमा पर घुसपैठ कराने की पूरी कोशिश कर रहा है। खबर है कि भारी बर्फबारी के बीच २० पाकिस्तानी आतंकी घाटी में घुसपैठ कर चुके हैं। ये सभी घातक हथियारों से लैस हैं और किसी बड़े वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं।

वरिष्ठ सेनाधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले कुछ हफ्तों से एलओसी पर हुए सीजफायर उल्लंघन की घटनाओं का लाभ उठाते हुए पाक सेना बीसियों आतंकियों को इस ओर धकेलने में कामयाब हुई है। नतीजतन, कश्मीर की शांति खतरे में पड़ गई है। हालांकि, सेना ने आतंकी हमलों को रोकने की खातिर रात्रि तलाशी अभियान तेज करते हुए रात्रि गश्त के साथ-साथ नाकेबंदी की पुरानी रणनीति भी अपनाई है, जिस कारण लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना था कि स्थिति से निपटने की खातिर सेना को रात्रि गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। सेना ने रात्रि तलाशी अभियान फिर से आरंभ किया है। साथ ही नाकेबंदी में सेना की सहायता भी ली जाने लगी है। यह सच था कि सेना द्वारा स्थानीय प्रशासन को एलओसी के इलाकों में मदद दिए जाने के कारण आम नागरिकों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। पर एक नागरिक प्रशासनिक अधिकारी का कहना था कि सुरक्षा की खातिर इतनी असुविधा को तो सहन करना होगा।

आतंकियों के ताजा दलों द्वारा घुसपैठ में कामयाब होने के बाद उनके इरादों के बारे में मिली जानकारी सुरक्षा अधिकारियों को परेशान कर रही है। वे बताते हैं कि उन्हें भयानक तबाही मचाने का टास्क दिया गया है। वैसे वे इससे भी इंकार नहीं करते थे कि घुसपैठ करनेवालों में तालिबानी और अल-कायदा के सदस्य हो सकते हैं क्योंकि सुने गए वायरलेस संदेश इसके प्रति शंका पैदा करते थे।

नीरव मोदी का भाई भी ठगी में फंसा

नई दिल्ली, पीएनबी घोटाले में हीरा कारोबारी नीरव मोदी फरार है। अब उसका सौतेला भाई नेहल मोदी भी धोखेबाज निकला। उसके ऊपर अमेरिका में हीरे की ठगी का आरोप लगा है। नेहल मोदी पर न्यूयॉर्क के थोक हीरा विक्रेता के साथ १० करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। नेहल मोदी के खिलाफ के लड़ रहे मेनहट्टन डिस्ट्रिक्ट के अटॉर्नी वेंश जूनियर का कहना है कि अब नेहल मोदी को न्यूयॉर्क के सुप्रीम कोर्ट में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। वहीं इस मामले में नेहल खुद को निर्दोष बता रहा है और उसका कहना है कि उसे फंसाया गया है।

नेहल मोदी ने शुक्रवार को मैनहट्टन की सुप्रीम कोर्ट में खुद को निर्दोष बताया है। फिलहाल नेहल को बिना जमानत ही रिहा कर दिया है।

इंजीनियरिंग की भाषा, हिंदी का ओवरडोज ठीक नहीं

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का हाल में लिया गया एक फैसला आजकल देश के प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षा संस्थानों की परेशानी का सबब बना हुआ है। फैसले के मुताबिक आईआईटी और एनआईटी संस्थानों में आगामी सत्र से ही स्टूडेंट्स को हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने का मौका दिया जाना है। फैसले का मकसद यह बताया जा रहा है कि स्टूडेंट्स को उस भाषा में उच्च तकनीकी शिक्षा हासिल करने का अवसर मिले, जिसमें उन्होंने स्कूली पढ़ाई की है। फैसला राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रमुख सिफारिशों के अनुरूप है और माना जा रहा है कि इससे गैर अंग्रेजी भाषी स्टूडेंट्स को खास तौर पर फायदा होगा। मगर फैसले से जुड़ी व्यावहारिक दिक्कतें इसका अमल करीब-करीब नामुमकिन बना रही हैं।

देश के तमाम इंजीनियरिंग कॉलेजों में तकनीकी शिक्षा अंग्रेजी में ही दी जाती है। ऐसे में अचानक हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की शिक्षा देने वाले टीचर्स कहां से आएंगे? आईआईटी संस्थानों के लिए अच्छे टीचर्स पाना पहले से ही एक चुनौती बनी हुई है। वे इंटरनैशनल फैकल्टी पाने की जद्दोजहद में लगे हैं ताकि अपनी वर्ल्डरैंकिंग सुधार सकें। इस बीच हिंदी और अन्य भाषाओं के शिक्षक ढूंढने की कवायद उनका फोकस बिगाड़ सकती है। फिर कोर्स बुक्स भी अंग्रेजी में ही हैं।

यही नहीं, इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को बहुत से रेफरेंस मटीरियल भी देखने होते हैं, जो अंग्रेजी में होते हैं। इन सबका ट्रांसलेशन कैसे उपलब्ध कराया जा सकेगा? सवाल यह भी है कि जैसे-तैसे नाम मात्र के लिए ये औपचारिकताएं कर भी ली गईं, तो इन स्टूडेंट्स का भविष्य क्या होगा? कौन सी मल्टीनैशनल कंपनी इन्हें नौकरी देगी? और, इंजीनियरिंग की पढ़ाई के नाम पर इस तरह का ढकोसला करने से आखिर क्या हासिल होने वाला है? राष्ट्रवादी भावनाओं के सहारे देसी भाषा में तकनीकी शिक्षा देने की वकालत करने वाले लोग अक्सर जर्मनी और चीन जैसे देशों का उदाहरण देते हैं। लेकिन सचाई यह है कि उन देशों में भी अब अंग्रेजी में तकनीकी शिक्षा पर जोर बढ़ रहा है। उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया है और वे इस गलती को सुधारने में लगे हैं। ऐसे में हम उलटे बांस बरेली को चलें, इसका कोई तुक नहीं है।

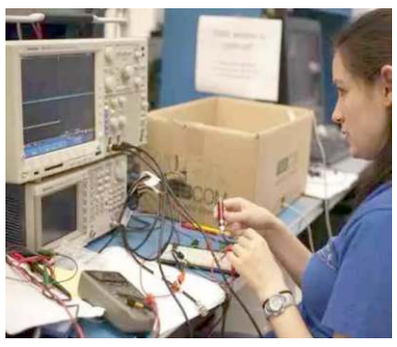

यह समझना होगा कि विज्ञान और तकनीक देश के दायरे में बंधकर रहने वाली चीज नहीं है। हमारे सुशिक्षित, प्रशिक्षित इंजीनियरों को दुनिया में हो रही अकादमिक हलचलों से न केवल परिचित होना चाहिए, बल्कि उसमें उनका दखल भी होना चाहिए। यह काम सिर्फ अनुवाद के सहारे नहीं हो सकता। अंग्रेजी ही वह पुल है जो हमारे इंजीनियरों, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और अन्य क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स को उनकी ग्लोबल बिरादरी से जोड़ता है। जानबूझकर हो या अनजाने में, इस पुल को ध्वस्त करने की कोई भी कोशिश घातक है। बेहतर होगा शिक्षा मंत्रालय समय रहते अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करते हुए इसे वापस ले ले।

रिश्तों की बेहतरी का संकेत, अमेरिकी संसद में भारत का समर्थन

संजय शर्मा

अब जब अमेरिका में इलेक्टोरल कॉलेज ने राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों पर औपचारिक मुहर लगा दी है और वहां सत्ता परिवर्तन को लेकर संदेह की रही-सही गुंजाइश भी खत्म हो चुकी है, तो अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से पास किए गए उस प्रस्ताव की सार्थकता काफी बढ़ जाती है जिसमें चीन द्वारा भारतीय सीमा पर दिखाई गई आक्रामकता को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है। यह प्रस्ताव नैशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट (एनडीएए) 2021 का हिस्सा है।

हालांकि इसमें न तो किसी तरह की मांग की गई है और न ही व्यवहार में सुधार न दिखने पर कार्रवाई की कोई बात कही गई है, फिर भी अपनी भाषा की सख्ती की वजह से यह प्रस्ताव स्पष्ट संदेश देता है।

इसमें कहा गया है कि चीन सरकार को भारत से कूटनीतिक बातचीत के जरिए एलएसी पर तनाव कम करने का उपाय करना चाहिए और विवादों को ताकत से हल करने की कोशिश से परहेज करना चाहिए।

प्रस्ताव में भारतीय सीमा से अलग साउथ चाइना सी, ईस्ट चाइना सी और भूटान सीमा से लगते क्षेत्रों में भी चीन के 'निराधार दावों' का जिक्र करते हुए उन्हें अस्थिरता पैदा करने वाला और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के विपरीत बताया गया है।

महत्वपूर्ण यह भी है कि इस प्रस्ताव को डेमोक्रैटिक बहुमत वाली कांग्रेस और रिपब्लिकन बहुमत वाली सीनेट दोनों ने दो तिहाई बहुमत से पारित किया है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अमेरिका में चीन और भारत से जुड़े सवालों पर नीति को लेकर पॉलिसीमेकर्स में किसी तरह की गहरी छाप देखी गई। चुनावों के दौरान उनके करीबी लोगों ने भी कहा कि अगर उनकी जगह डेमोक्रैटिक प्रत्याशी जीतते हैं तो चीन के खिलाफ उतना सख्त रवैया शायद न दिखाएं।

कुछ हलकों में यह भी कहा जा रहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के बीच जिस तरह की पर्सनल केमिस्ट्री बन गई थी, वैसी नए राष्ट्रपति के साथ बन पाती है या नहीं यह देखना होगा। लेकिन अनुभवी राजनेताओं को अन्य देशों के निर्वाचित नेतृत्व के साथ काम करने लायक सहज रिश्ता विकसित करने में खास दिक्कत नहीं होती।

अमेरिकी संसद में पारित ताजा प्रस्ताव के मूल भावों को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के इन शब्दों के साथ जोड़ कर देखें तो स्थिति बिल्कुल साफ हो जाती है जो उन्होंने पिछले महीने एक इंटरव्यू के दौरान कहे थे, 'मेरे विचार से चीन पर सबसे अच्छी रणनीति वह है जो हमारे सभी मित्र देशों को एक साथ लाती है।' जाहिर है, भारत जैसे मित्र देश को साथ लाने वाला यह प्रस्ताव आने वाले दौर में भारत अमेरिकी रिश्ते की बेहतरी का संकेत दे रहा है।

पूरी हुई कृषि सुधारों की प्रतीक्षा

जिगर डी वाढेर

वर्ष 1991 में हुए आर्थिक सुधारों से पहले तक देसी उद्योग जगत लाइसेंस-परिमट राज की व्यवस्था में ही काम करता था। उस दौर में सरकार ही तय करती थी कि उद्यमी किस उत्पाद को कितनी मात्रा में किस स्थान से उत्पादित कर सकते हैं। विदेश से कच्चा माल आयात करने पर भी सरकारी नियंत्रण था। कुछ मामलों में तो सरकार न केवल उत्पाद का मूल्य तय करती, बल्कि यह भी निर्धारित करती कि उसे कितनी मात्रा में बेचा जा सकता है। उस व्यवस्था की विकृति का ही परिणाम था कि स्वतंत्रता के बाद से 1991 तक भारत की आर्थिक वृद्धि अवरुद्ध सी रही। भारत के हालात 1991 में हुए आर्थिक सुधारों के बाद लाइसेंस-परमिट राज की विदाई के बाद ही बदले। इन सुधारों के बाद तमाम आर्थिक सूचकांकों में हुआ सुधार इसका स्पष्ट प्रमाण है। उनकी मदद से करोड़ों लोगों को निर्धनता के दुष्चक्र से बाहर निकालने में सफलता प्राप्त हुई।

दुख की बात यही है कि उन आर्थिक सुधारों से उद्योग जगत की नैया तो पार लगा दी गई, लेकिन कृषि क्षेत्र को अनदेखा कर दिया गया। किसानों के लिए उस व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ जिसमें उन्हें अपनी उपज सरकार द्वारा नियुक्त कमीशन एजेंट यानी आढ़तियों के जरिये सरकारी मंडी में बेचना ही अनिवार्य था। उसमें कमीशन एजेंट अक्सर थोक विक्रेताओं या बिचौलियों के साथ साठगांठ कर किसानों को न केवल उनकी उपज के उचित मूल्य से वंचित करते, बल्कि उनसे उस सेवा के बदले में कमीशन भी वसूल लिया करते जो सेवा वे उपलब्ध ही नहीं कराते थे। मंडियों में भंडारण की खस्ताहाल व्यवस्था से भी किसानों की कुछ फसल खराब हो जाया करती। इसका नुकसान भी किसान ही उठाते। किसान इस उत्पीड़न से बच इसलिए नहीं सकते थे, क्योंकि कानूनन उन्हें अपनी उपज केवल संबंधित मंडी में ही बेचनी पड़ती थी। ऐसे में किसानों को आढ़तियों-बिचौलियों के अत्याचार से मुक्त कराना आवश्यक ही नहीं नहीं, बल्कि अनिवार्य था। केंद्र सरकार ने इस उद्देश्य से हाल में तीन कृषि कानून बनाए हैं। पहला कानून किसानों को यह अधिकार देता है कि वे अपनी उपज को स्वेच्छा से देश भर में किसी को भी बेच सकते हैं। दूसरा कानून कांट्रैक्ट फार्मिंग यानी अनुबंधित कृषि के लिए विधिक आधार उपलब्ध कराता है। इसके तहत किसान उच्च गुणवत्ता वाले अपने उत्पाद को एक पूर्व निर्धारित प्रीमियम मूल्य पर किसी खाद्य प्रसंस्करण कंपनी या निर्यातक को सीधे बेच सकता है।

तीसरे कानून में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 को करीब-करीब खत्म कर दिया गया है। इसका उपयोग अब केवल आपात स्थितियों तक ही सीमित होगा। यानी आपात स्थितियों से इतर सरकार कृषि उत्पादों के भंडारण की सीमा नहीं थोप सकती। इसका लक्ष्य भंडारण के मोर्चे पर निवेश को प्रोत्साहन देना है जो निर्यात केंद्रित खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास के लिए बेहद आवश्यक है। इससे किसानों के उत्पादों की मांग बढ़ेगी। दुर्भाग्य से आर्थिक सुधारों का आरंभिक विरोध उस उद्योग जगत द्वारा किया गया, जिससे उसी ही लाभ होना था, कुछ वही कहानी कृषि सुधारों के मामले में भी दोहराई जा रही है। वह भी तब जब तीनों में से किसी भी कानून में सरकारी मंडियों यानी एपीएमसी को समाप्त करने की बात नहीं है। इन मंडियों का मामला पूरी तरह राज्य सरकारों के हाथ में है। जो किसान मंडियों में आढ़तियों के जरिये अपनी उपज बेचना चाहते हैं तो वे अब भी ऐसा कर सकते हैं। वहीं अगर उन्हें मंडियों से बाहर और अच्छी कीमत मिलती है तो वे वहां भी अपनी उपज बेचने के लिए स्वतंत्र हैं। साथ ही अपने बेहतरीन उत्पादों के लिए वे खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों और निर्यातकों जैसे खरीदारों के साथ दीर्घकालिक अनुबंध भी कर सकते हैं।

यह आरोप भी उचित नहीं कि मौजूदा सरकार ने ये सुधार एकाएक कर दिए। इनकी शुरआत तो वाजपेयी सरकार में मॉडल एपीएमसी एक्ट, 2003 के जरिये ही हो गई थी। इस मॉडल एक्ट को राज्य सरकारों को अपने एपीएमसी एक्ट में संशोधन के जरिये अपनाना था। नए कानूनों में से पहले दो कानूनों में कमोबेश ऐसे ही प्रावधान हैं। बीस राज्य एपीएमसी एक्ट में संशोधन कर चुके हैं या नए कानून ला चुके हैं। उनमें से सोलह राज्य मॉडल एक्ट में सुधारों को अधिसूचित भी कर चुके हैं। इसमें एक तथ्य यह भी है कि केरल में कोई एपीएमसी एक्ट लागू ही नहीं था, वहीं बिहार ने वर्ष 2006 में उसे समाप्त कर दिया। इन सुधारों से जुड़े अनुभवों को देखते हुए उनकी वापसी की कोई सूरत नहीं दिखती। मिसाल के तौर पर नेस्ले और हैटसन जैसी कंपनियां कई वर्षों से छोटे उत्पादकों से दूध की खरीद कर रही हैं। उन्होंने उनके लिए दैनिक भुगतान की एक विशिष्ट व्यवस्था भी बनाई हुई है। इन सुधारों को शुरुआती दौर में ही अपनाने वाले राज्यों को लाभ भी मिला है। वर्ष 2010 से 2018-19 के दौरान आंध्र प्रदेश की कृषि विकास दर 7.3 प्रतिशत, बिहार की 5.3 प्रतिशत, गुजरात की 6.3 प्रतिशत और मध्य प्रदेश की 7.9 प्रतिशत रही है। इसी दौरान पंजाब की कृषि विकास दर 1.8 प्रतिशत और हरियाणा की 3.7 प्रतिशत रही। कुछ आलोचकों का कहना है कि पंजाबी किसानों की समृद्धि की तुलना में बिहारी किसानों की बदहाली का कारण बिहार द्वारा एपीएमसी एक्ट खत्म करना ही है। यह उचित नहीं। बिहार के किसान पंजाबी किसानों के मुकाबले इसलिए गरीब हैं, क्योंकि उनकी शुरुआत ही कमजोर रही। हालांकि ताजा आंकड़े यही संकेत करते हैं कि एपीएमसी एक्ट खत्म करने के बाद उनकी कृषि वृद्धि दर पंजाब की तुलना में खासी तेज हुई है। इसे भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि पंजाब के अधिकांश किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का सहारा मिलता है वहीं बिहार में किसान अपनी उपज बाजार दरों पर बेचते हैं। इस पैमाने पर भी एपीएमसी सुधार से राहत मिली है, क्योंकि इससे एमएसपी और बाजार मूल्य में 30 प्रतिशत का अंतर घटकर 20 प्रतिशत रह गया है। इस यथास्थिति का नुकसान भी वास्तव में पंजाब को ही हुआ है, जो 1992-93 तक देश में प्रगति के पैमाने पर दूसरे पायदान पर था, लेकिन 2018-19 में फिसलकर दसवें स्थान पर पहुंच गया। कृषि सुधारों के विरोध की जड़ें भी पंजाब और हरियाणा से जुड़ी हैं जहां केंद्र सरकार एमएसपी पर गेहूं और धान की भारी खरीद करती है। इसमें आढ़तियों को लुभावने एमएसपी पर 2.5 प्रतिशत की आमदनी तय है। केवल पंजाब में ही यह 1,600 करोड़ रुपये है। आढ़तियों के अतिरिक्त पंजाब सरकार भी एमएसपी का तीन प्रतिशत मंडी शुल्क और तीन प्रतिशत ग्रामीण विकास शुल्क वसूलती है। इससे पंजाब सरकार को पिछले वित्त वर्ष में 3,642 करोड़ रुपये की आमदनी हुई। इसका पूरा भार केंद्र सरकार के खजाने पर ही पड़ता है। यही कारण है कि पंजाब सरकार और आढ़तियों के उकसावे पर इन सुधारों का किसानों के एक वर्ग द्वारा विरोध किया जा रहा है।

कोविड के सफल टीकाकरण की चुनौती

भूपेन्द्र पटेल

कोरोना संक्रमण की लहर को थामने में सफल दिखते भारत के लिए चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। कोरोना से होने वाली कोविड-19 बीमारी से बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में 130 करोड़ नागरिकों का सफल टीकाकरण अब भी एक गंभीर चुनौती है। दुनिया के समक्ष मोदी सरकार के प्रबंधकीय कौशल के साथ यह भारतीय राजव्यवस्था की प्रामाणिकता का परीक्षण भी होगा कि कैसे नया भारत टीकाकरण को सफलतापूर्वक संपन्न करता है? देखा जाए तो वर्तमान परिस्थितियों में उपयुक्त वैक्सीन का चुनाव, उसकी खरीद, मात्रा, रखरखाव, वरीयता का चुनाव, वैक्सीन की कीमत, उपयुक्त समय और मानक पहुंच सुनिश्चित कराना आसान नहीं हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी माना है कि वैक्सीन के निर्माण के साथ मानक टीकाकरण सुनिश्चित करना एक मुश्किल कवायद है। सवाल यह है कि क्या भारत जिसे दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का अनुभव है इस नए टीकाकरण को सफलतापूर्वक संपन्न कर पाएगा? वास्तविक धरातल पर इसका जवाब ऐसी शंकाओं को निर्मूल साबित नहीं करता, क्योंकि महिलाओं एवं बच्चों के टीकाकरण और कोविड के टीकाकरण में बुनियादी अंतर है। न केवल टीकाकरण की विधि, बल्कि प्राथमिकता के मामले में भी यह अलग किस्म का अभियान होगा। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं का एक डाटा सुस्थापित तंत्र के जरिये सरकार के पास उपलब्ध रहता है। यह भी तथ्य है कि हर साल करीब 39 करोड़ खुराक ऐसे विभिन्न टीकों की हम उपलब्ध कराते हैं, लेकिन कोविड के मामले में टीकाकरण वयस्कों का होना है। पोलियो जैसी खुराक मुंह से दी जाती है, जबकि कोविड का टीका इंट्रामस्क्यूलर इंजेक्शन से दिया जाना है।

भारत में इसके लिए कुशल पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है। डॉक्टर, नर्सें, डेंटिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट और कंपाउंडर मिलाकर 35 लाख की संख्या में हं।

इनमें भी बड़ी संख्या पेशेवर लोगों की नहीं है। सरकार द्वारा घोषित समयबद्ध टीकाकरण के लिए करीब 40 लाख से अधिक पेशेवरों की आवश्यकता है। सर्वविदित है कि भारत में आमतौर पर डॉक्टर इंजेक्शन नहीं लगाते हैं और यह काम नर्सें ही करती आई है ं। भारत में मानक रूप से छह लाख डॉक्टरों एवं 20 लाख नर्सों की कमी है। सबसे अहम सवाल यह भी है कि सरकार किस वैक्सीन को अपने टीकाकरण के लिए चयनित करती है? फिलहाल पांच वैक्सीन ट्रायल के अंतिम चरण में है ं। सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बॉयोटेक की वैक्सीन सरकार की प्राथमिकता में हैं। सीरम के प्रमुख अदार पूनावाला ने कहा है कि भारत सरकार ने उन्हें जुलाई 2021 तक 10 करोड़ खुराक तैयार रखने को कहा है। अमेरिकी कंपनियों मॉडर्ना और फाइजर के टीके भारत में इसलिए व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि इन्हें क्रमश: माइनस 20 और माइनस 70 डिग्री पर रखने के लिए हमारे पास स्टोरेज सिस्टम नहीं हैं। सीरम और भारत बॉयोटेक के टीके मौजूदा उपलब्ध कोल्ड स्टोरेज सिस्टम में आसानी से रखे जा सकते हैं।

संभवत: इसीलिए केंद्र सरकार ने कोल्ड चैन के लिए राज्यों को जो निर्देश जारी किए हैं उनमें कोई बुनियादी बदलाव नहीं किए है ं। हालांकि कोल्ड चेन को लेकर शुरुआती चरण में भले ही सबकुछ ठीक नजर आ रहा हो, लेकिन जमीनी स्तर पर यहां भी समस्याएं है ं। मध्य प्रदेश, बिहार, यूपी, ओडिशा, बंगाल, असम, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सरकारी अस्पतालों की संख्या पहले ही राष्ट्रीय औसत से कम है। देश के 2.5 लाख प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में से 85 फीसद ग्रामीण क्षेत्रों में ही हैं। यहां मानक परिस्थितियों में टीकाकरण संसाधनों की न्यूनता के चलते संपन्न कराना आसान नहीं रहने वाला है। टीकाकरण का एक अहम पक्ष इसपर आने वाले खर्च का भी है। अगर यह मान लें कि सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक के टीके को सरकार खरीदती है तब भी इसकी लागत 600 रुपये (दो डोज) से कम नहीं होगी और सरकार अगस्त 2021 तक 30 करोड़ एवं 2022 तक 80 करोड़ नागरिकों को टीका लगाने की बात कह रही है। इसके अलावा औसतन 150 रुपये प्रशासनिक व्यय के रूप में हर टीके पर आंका गया है। जाहिर है करीब 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि इस टीकाकरण पर खर्च होनी है।

राज्य सरकारें इस खर्च को वहन करेंगी इसमें संदेह है। साथ ही बिहार चुनाव में भाजपा का मुफ्त टीकाकरण का वादा भी इसकी कीमत आम आदमी से वसूलने में आड़े आएगा। बेहतर होगा केंद्र सरकार निजी क्षेत्र को इस राष्ट्रव्यापी अभियान में भागीदार बनाए, क्योंकि सरकारी अस्पतालों तक एक बड़ा वर्ग वैसे भी नहीं आता है और वह अधिमान्य निजी केंद्रों पर सशुल्क टीका लगवा सकता है। निजी अस्पतालों, प्रयोगशालाओं और कुछ बड़े एनजीओ को पार्टनर बनाकर भारत में यह टीकाकरण समयबद्धता के साथ पूरा किया जा सकता है। अगर 80 करोड़ लोगों को यह टीका दिया जाना है तो देश में करीब 1.5 लाख टीकाकरण केंद्रों की आवश्यकता होगी। अभी एक सरकारी टीकाकरण केंद्र पर प्रतिदिन 100 टीके लगाने की योजना बनाई गई है। अतिरिक्त दक्ष स्टाफ की स्थिति में यह संख्या 200 तक हो सकेगी। सवाल यह भी है कि क्या सभी 130 करोड़ लोगों को यह टीका लगाया जाना है? आइसीएमआर के प्रमुख बलराम भार्गव का मानना है कि कोरोना संक्रमण की चेन तोडना प्राथमिक आवश्यकता है। यह 30 करोड़ के टीकाकरण से संभव है। सीरम इंस्टीट्यूट की वैक्सीन के दो डोज 70 फीसद सुरक्षा कवर देने में सफल हुए हैं जो तीन से चार सप्ताह के अंतराल में लगने है ं। इसे भी सफलतापूर्वक मूर्त रूप देना आसान नहीं होगा। हालांकि सरकार ने इसके लिए एक ई-पंजीयन सिस्टम ईजाद किया है जिसमें बाकायदा एसएमएस के जरिये स्लॉट बुक करके लोगों को सेंटर तक लाया जाएगा, लेकिन ग्रामीण इलाकों में फसल खरीदी के लिए अपनाया गया यह सिस्टम बहुत कारगर नहीं रहा है। इसमें गैर प्राथमिकता वाले लोगों के घुस जाने का खतरा है, क्योंकि निचले प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता का अभाव है। बेहतर होगा सरकार इस मामले में आधार जैसी पहचान संख्या को अनिवार्य करने के सुझाव पर विचार करे।

जम्मू कश्मीर की बर्फबारी में महाराष्ट्र के दो जवान शहीद, एक जवान बुलढाणा तो दूसरा जलगांव से

मुंबई, जम्मू कश्मीर में हो रही भीषण बर्फबारी का शिकार महाराष्ट्र के 2 जवान हुए हैं। देश की सरहद की सुरक्षा करते हुए यह दोनों जवान बस बारिश है शहीद हो गए हैं। एक जवान महाराष्ट्र के बुलढाणा शहर का तो दूसरा जलगांव शहर का था।

टाइगर हिल पर तैनात था जवान

बुलढाणा के जिस जवान कि बर्फबारी की वजह से मौत हुई है वह टाइगर हिल पर तैनात था। तभी अचानक बर्फ का ढेर जवान पर आ गिरा जिसके नीचे दबने से जवान शहीद हो गया।

15 दिसंबर को हुआ था हादसा

सबको बता दे कि 15 दिसंबर को जम्मू कश्मीर में भारी बर्फबारी हुई थी। जिसमें दबकर बुलढाणा के जवान प्रदीप साहेब राव मांडले की मौत हो गई थी। तीस वर्षीय प्रदीप को जब तक बर्फ के ढेर से बाहर निकाला गया तब तक वह शहीद हो चुके थे। प्रदीप अगस्त महीने में 15 दिनों के लिए छुट्टी पर आए थे। परिवार को प्रदीप पर गर्व है प्रदीप के भाई ने कहा कि हमारे घर का बेटा देश पर कुर्बान हुआ है।

महार रेजिमेंट में हुए थे भर्ती

प्रदीप साल 2009 में भारतीय सेना की महार रेजीमेंट में भर्ती हुए थे। प्रदीप के अलावा परिवार में दो भाई हैं। जिसमें से एक फौज में हैं और दूसरे कृषि सहायक हैं। श्री प्रदीप मंदिर के परिवार में उनके बाद उनकी पत्नी और 3 बच्चे हैं उनका अंतिम संस्कार 20 दिसंबर को उनके पैतृक गांव में किया जाएगा।

जलगाँव का जवान भी बर्फबारी का शिकार

जम्मू कश्मीर में हुई हिमवृष्टि में जलगांव जिले के चालीसगांव स्थित वाकडी गांव के 32 वर्षीय अमित साहेबराव पाटील अपनी ड्यूटी के दौरान गस्त लगा रहे थे। तभी वे बर्फीले तूफान में फंस गए और शहीद ही गए। उनका सेना के अस्पताल में इलाज चल रहा था। बुधवार की सुबह उनकी मृत्यु हुई। उनके बाद परिवार में माता-पिता, पत्नी और दो बच्चे हैं।इस खबर से समूचे गांव में शोक की लहर फैल गई है। शुक्रवार को इस दिवंगत जवान का पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया।

206 करोड़ रुपये में हाइवे बनेगा चकाचक

मुंबई, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे का कायाकल्प करने वाली योजना पर काम शुरू कर दिया है। हाइवे को हाईटेक करने के लिए करीब 206 करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय लिया गया है। हाइवे को गड्ढामुक्त करने के साथ ही उसकी सिग्नल प्रणाली में सुधार, लेन मार्किंग, सर्विस रोड, फुटपाथ, ड्रेनेज सिस्टम समेत अन्य में सुधार करने का फैसला लिया गया है। एमएमआरडीए ने वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे की रफ्तार बढ़ाने के लिए विश्वस्तरीय सलाहकार की नियुक्त की है। सलाहकार के सुझावों के आधार पर हाइवे को अधिक सुरक्षित सुगम बनाने की व्यवस्था की जाएगी। हाइवे को हाईटेक बनाने के काम को जल्द शुरू करने के लिए एमएमआरडीए ने टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से प्रॉजेक्ट मैनेजमेंट कन्सलटेंसी सर्विसेस की तलाश शुरू कर दी है। इच्छुक कंपनी 7 जनवरी तक आवेदन कर सकती है। ऐंटि क्रश बेरियर हाइवे को दुर्घटनामुक्त करने के लिए 25 किलोमीटर के पूरे मार्ग पर ऐंटि क्रश बेरियर लगाए जाएंगे। सड़क की मरम्मत के साथ ही एमएमआरडीए ने मार्ग में आने वाले फुट ओवर ब्रिजों (पादचारी पुलों) के कायाकल्प करने की भी योजना बनाई है। वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे मुंबई का सबसे व्यस्ततम मार्ग है। हाइवे से हर घंटे पांच से सात हजार वाहन गुजरते हैं। ट्रैफिक नहीं होने पर बांद्रा से बोरीवली का सफर केवल 35 से 40 मिनट में पूरा हो जाता है। सुबह और शाम के वक्त लगने वाले जाम की वजह से यह सफर पूरा करने में करीब 2 घंटे का समय लग जाता है।

मुंबई में फिर हो सकता है लॉकडाउन? बीएमसी कर रही है तैयारी

मुंबई, बीएमसी, मुंबई शहर में एक बार फिर से कर्फ्यू लॉकडाउन लगाने पर विचार कर रही है इस विषय पर अगर आम सहमति बनती है। तब मुंबई में आगामी 25 दिसंबर से लेकर 31 दिसंबर तक के लिए रात में लॉकडाउन लगाया जा सकता है। इस दौरान नाइट कर्फ्यू की तरह ही सभी नियमों का पालन करना होगा। क्रिसमस और न्यू ईयर पर लग सकता है नाईट लॉकडाउन दिसंबर के महीने में क्रिसमस और न्यू ईयर को देखते हुए बीएमसी यह फैसला ले सकती है। मुंबई शहर में लगातार लोगों का आना-जाना शुरु है। ऐसे में बढ़ती भीड़ को देखते हुए बीएमसी को यह भय सता रहा है कि कहीं इसकी वजह से कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी ना हो जाए। इसलिए बीएमसी यह एहतियाती कदम उठाना चाह रही है। सूत्रों की माने तो अगले सप्ताह इस विषय पर फैसला लिया जा सकता है। दिवाली के दौरान बढ़े थे मामले मुंबई शहर में इसके पहले दिवाली और गणेशोत्सव के दौरान कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई थी। कोरोना के बढ़े हुए मामलों ने बीएमसी की मुश्किलों को काफी बढ़ा दिया था और यह लग रहा था कि कोरोना की दूसरी लहर भी जल्द ही आएगी। जिसको लेकर बीएमसी समेत पूरे राज्य में तैयारियां शुरू की गई थी। सूत्रों के अनुसार दिवाली जैसे नियम इस बार भी लागू किये जायेंगे

'मीटिंग में कमिश्नर को बुलाया जाए', बीएमसी प्रशासन की मनमानी से नगरसेवकों की मांग

मुंबई, नगरसेवकों द्वारा पूछने के बाद महीनों तक बीएमसी प्रशासन का कोई जवाब नहीं मिलता है। जो जवाब मिलते हैं, वह संतोषजनक नहीं होते हैं। सभागृह की जानकारी के बिना ही बीएमसी प्रशासन मनमानी तरीके से नीतिगत निर्णय ले रहा है। इस तरह की मनमानी पर रोक लगाने के लिए बीएमसी कमिश्नर को मीटिंग में बुलाया जाए, तभी समस्या का हल निकलेगा। बुधवार को स्थायी समिति की बैठक में सभी दलों के नगरसेवकों ने एकसुर में बीएमसी प्रशासन के कारभार पर नाराजगी जताई। सदस्यों ने आरोप लगाया कि बीएमसी प्रशासन सूचना तकनीक विभाग का कार्य, अस्पतालों में डॉक्टरों की नियुक्ति, सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने, सलाहकार सेवाएं प्रदान करने जैसे विभिन्न मुद्दों पर अब तक मनमानी ढंग से काम किया। इस संबंध में किसी जनप्रतिनिधि को जानकारी नहीं दी गई। नगरसेवकों ने कहा कि कमिश्नर बैठक में आने से बचते हैं, यह बरदास्त नहीं किया जाएगा। मुंबई में आधारभूत सुविधाओं का कई मुद्दा लंबित है, इस पर तत्काल बैठक आयोजित की जानी चाहिए थी, लेकिन प्रशासन गंभीरता से नहीं ले रहा है। प्रशासन नगरसेवकों द्वारा नागरिक समस्याओं के संदर्भ में पूछे गए सवालों का भी जवाब नहीं देता है। बीएमसी कमिश्नर कोरोना का बहाना बना कर बैठक में आने से इनकार कर देते हैं।

ईरानी चोर को पकड़ने के लिए पुलिस बनी 'पठान', फिल्मी स्टाइल में पुलिस ने पकड़ा चोर

मीरा-भाईंदर, नवघर रोड पुलिस ने एक ऐसे मामले को सुलझाया है, जिसमें फिल्मी पुलिस की तरह ऐक्शन, ड्रामा और सस्पेंस सब है। इस कार्रवाई के दौरान नवघर रोड पुलिस की टीम ने वह सबकुछ किया, जो आप फिल्मों में देखते हैं। 5 नवंबर को मॉर्निंग वॉक के दौरान दो चोरों ने पीड़िता को बहकाकर उसके साथ ठगी की और पीड़िता की सोने की चैन को लेकर फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संपतराव पाटील ने टीम का गठन कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ईरानी मूल के लोग हैं और उनके भिवंडी, कल्याण, पिराणीपाडा, अंबिवाली की ईरानी बस्ती में होने की संभावना है। इसी दौरान पुलिस को उनके भिवंडी के वफा कंपाउंड में होने की पुख्ता जानकारी मिली। एपीआई रोशन देवरे और एपीआई योगेश काले के नेतृत्व में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन दोनों के और भी साथीदार होने की संभावना है। इस जांच के दौरान पुलिस वाले आंखों में सुरमा लगाकर और पठानी कुर्ता पहनकर पठान व्यापारी बने, ताकि किसी को कोई शक न हो। एपीआई रोशन देवरे बताते हैं कि पुलिस वालों ने अपनी पहचान बकरा बेचने वाले व्यवसायी और टेंपो ड्राइवर की बनाई थी। एपीआई योगेश काले बताते हैं कि जब वफा कंपाउंड (भिवंडी) में उनकी टीम दोनों आरोपियों को पकड़ने गई तब

उनके परिचित और परिवार के लोगों ने पुलिस की टीम पर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों को हल्की चोटें भी आईं। एक आरोपी निकला मकोका में वांछित

गिरफ्तार आरोपियों में से एक आरोपी मकोक का वांछित आरोपी निकला, जिसपर नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज है। इसके अलावा पूछताछ में 12 अन्य चोरियों के अंजाम देने के मामले इन दोनों आरोपियों ने कुबूल किए। रविन्द्र भालेराव, नवनाथ माने, बालू राठौड, नीलेश शिंदे, संदीप जाधव, यूनुस गिरगांवकर इस टीम का हिस्सा थे।

टेस्टिंग में मुंबई पांचवें स्थान पर, मुंबई में प्रति 10 लाख की आबादी पर डेढ़ लाख की कोरोना जांच

मुंबई, कोरोना वायरस का प्रसार रोकने में सबसे कारगर हथियार साबित हो रही टेस्टिंग का आंकड़ा मुंबई में लगातार बढ़ रहा है। मुंबई में अब 10 लाख की आबादी पर 1,51,082 लोगों की कोरोना टेस्टिंग हो रही है। मुंबई में अब तक 21,15,153 लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा चुका है। पहले यह काफी कम था, लेकिन बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल ने ट्रेसिंग व ट्रीटमेंट के साथ कोरोना को रोकने में टेस्टिंग को सबसे ज्यादा महत्व दिया और आक्रामक तरीके से टेस्टिंग का अभियान चलाया। इतनी टेस्टिंग के बाद भी मुंबई देश में टेस्टिंग के मामले में पांचवें नंबर पर है। हालांकि महाराष्ट्र में पहले नंबर पर है। महाराष्ट्र में दस लाख की आबादी पर 1,02,473 लोगों का टेस्ट हो रहा है। राज्य में अब तक 1,17,02,457 लोगों की कोरोना टेस्टिंग हो चुकी है। इनमें से 18,80,416 पॉजिटिव केस मिले हैं। बीएमसी की महिम का असर बीएमसी में अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा कि मुंबई में कोरोना को मात देने के लिए हमने 'चेस द वायरस' अभियान काफी पहले से शुरू किया है। इसका सबसे अच्छा जरिया ज्यादा से ज्यादा लोगों की टेस्टिंग है। लोगों को टेस्टिंग में आसानी हो, इसके लिए मुंबई में 244 स्थानों पर फ्री टेस्टिंग की व्यवस्था की गई है। यहां अब तक तीन लाख से अधिक लोग कोरोना की जांच करा चुके हैं। 'मेरा परिवार, मेरी जिम्मेदारी' अभियान ने टेस्टिंग की संख्या बढ़ाने में काफी मदद की है।

टेस्टिंग के मामले में टॉप 5 शहर

स्थान राज्य/शहर आबादी टेस्टिंगकुल टेस्टिंगपॉजिटिव

बेंगलुरु प्रति 10 लाख 4,01,491 49,49,180 3,77,251 2

दिल्ली - - 3,76,345 71,50,555 --

केरल -- 1,94,127 67,55,630 --

तमिलनाडु -- 1,90,819 1,29,56,605 5 --

मुंबई -- 1,51,082 21,15,153 --

गुजरात छठवें स्थान पर

कोरोना टेस्टिंग के मामले में तमिलनाडु काफी समय तक देश में नंबर वन पर रहा। टेस्टिंग के मामले में गुजरात का देश में छठवां नंबर है। गुजरात में 10 लाख की आबादी में से 1,37,835 लोगों का टेस्ट हो रहा है। गुजरात में अब तक 86,42,252 लोगों का टेस्ट हो चुका है, जिनमें से 2,27,521 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

आलीशान होटलों में ठगी करने वाला शातिर ठग गिरफ्तार, कश्मीर से कन्याकुमारी के होटलों में करता था वारदात

नवी मुंबई, कश्मीर से कन्याकुमारी तक के फाइव स्टार होटलों में अय्याशी करने के बाद ठगी की घटना को अंजाम देने के आरोप में 65 वर्षीय शातिर ठग को वाशी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी अभी तक 187 ठगी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। नए वर्ष तक वह ठगी की 200 घटनाओं को अंजाम देने की तैयारी में था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी आनंद (65 वर्ष) है। मूल रूप से तमिलनाडु के निवासी व्हिन्सेंट ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक कई फाइव स्टार होटलों में ठगी की घटना को अंजाम दिया है। वह एक कॉर्पोरेट कंपनी का अधिकारी और उद्योगपति बनकर इन होटलों में कमरा बुक करवाता था। कुछ दिन होटल की सुविधाओं का लाभ लेने के बाद वह फरार हो जाता था।

वह एक कॉर्पोरेट कंपनी का अधिकारी और उद्योगपति बनकर इन होटलों में कमरा बुक करवाता था। कुछ दिन होटल की सुविधाओं का लाभ लेने के बाद वह फरार हो जाता था।

लैपटॉप लेकर फरार

पुलिस अधिकारी ने बताया कि

डबल सेंचुरी पूरी नहीं हो पाई। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त सुरेश मेगंडे ने दी।

उद्योगपति बन कर जाता था

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजीव धुमाल ने बताया कि ठगी के आरोप में गिरफ्तार किए गए शातिर ठग का नाम व्हिन्सेंट जॉन उर्फ़ थेरिनाथन उर्फ़ मायकल जोसेफ उर्फ़ दिलीप स्टीफन उर्फ़ मायकल फर्नांडो उर्फ़ विजय करण उर्फ़ राजीव देसाई उर्फ़ रवि

13 दिसंबर को वाशी स्थित तुंगा होटल में भी शातिर ठग ने मीटिंग और कॉन्फ्रेंस के लिए बैंक्वेट हॉल बुक किया था। उसने होटल से लैपटॉप भी लिया। होटल मैनेजमेंट भी इस ठग के झांसे में आकर सभी सुविधाएं उपलबध करा रहा था। बाद में आरोपी ने होटल स्टाफ को झांसे में लेकर लैपटॉप व अन्य सामान लेकर फरार हो गया। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब बैंक्वेट हॉल में कोई आगंतुक नहीं आया, तो होटल के कर्मियों को शक हुआ। प्रबंधक ने व्हिन्सेंट जॉन की तलाश शुरू की। परेशान होकर होटल मैनेजमेंट ने वाशी पुलिस स्टेशन में ठगी की शिकायत दर्ज कराई।

फोटो के आधार पर पकड़ा गया

मामला दर्ज होते ही सहायक पुलिस आयुक्त विनायक वस्त, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजीव धुमाल के मार्गदर्शन में एपीआई सचिन ढगे, पुलिस हवलदार शैलेंद्र कदम, श्रीकांत सावंत, सुनील चिकने की टीम ने जांच शुरू किया। पुलिस ने फोटो व मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी का पता लगाया। खुफिया सूत्रों से आरोपी के ठाणे स्थित घोडबंदर में होने की जानकारी मिलते ही, पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

200 घटनाओं को देना था अंजाम

सहायक पुलिस आयुक्त विनायक वस्त ने बताया कि आरोपी व्हिन्सेंट जॉन पिछले कई वर्षों से इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहा है। फाइव स्टार होटलों को अपना शिकार बनाता था। टूरिस्ट कार बुक कर वह होटलों में जाता था और धाराप्रवाह इंग्लिश भाषा के इस्तेमाल से होटल मैनेजमेंट को अपने झांसे में ले लेता था। वह खुद को एक बड़ा उद्योगपति बताता था। अब तक इसने 187 होटलों में ठगी की है। इस वर्ष तक उसने 200 घटनाओं को पूरा करने का टारगेट रखा था, लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

नवी मुंबई में दर्ज हुआ पहला मामला

आरोपी व्हिन्सेंट जॉन ने दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, कोलकाता, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, हैदराबाद समेत देश के कई शहरों में फाइव स्टार होटलों में ठगी करने की बात कबूल की है। लेकिन उसके खिलाफ कहीं कोई पुलिस शिकायत दर्ज नहीं हुई थी। पहला मामला नवी मुंबई के वाशी पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि उसके बताए गए होटलों में संपर्क किया जाएगा। अगर होटल प्रबंधक शिकायत दर्ज कराते हैं तो वहां की पुलिस को इस बारे में जानकारी दी जाएगी।

क्रिसमस से बढ़ेगी मुंबई में ठंड

मुंबई, क्रिसमस से मुंबई के न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी और मुंबईकर ज्यादा ठंड का अनुभव करेंगे, ऐसी संभावना मौसम वैज्ञानिकों ने जताई है। शुक्रवार को मुंबई का न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसके आने वाले दिनों में और नीचे जाने के संकेत मौसम विभाग ने दिए हैं। इस साल पारे की गिरावट बहुत ज्यादा नीचे दर्ज नहीं की जा सकी है। नवंबर में मुंबई में न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। नवंबर के वो दिन और दिसंबर के कुछ दिनों को छोड़कर अन्य दिनों में मुंबई के न्यूनतम तापमान में कोई गिरावट दर्ज नहीं की गई। पिछले दिनों अधिकतम तापमान में 4 डिग्री तक की गिरावट मौसम विभाग ने दर्ज की। परिणाम स्वरूप में मुंबई में हल्की ठंड महसूस होने लगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) पश्चिमी क्षेत्र के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदूषण बढ़ने से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। स्काइमेट के वैज्ञानिक महेश पलावत ने बताया कि ठंडी हवा जब उत्तर से दक्षिण की ओर बहेगी तब न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी। दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक पारा 16 डिग्री सेल्सियस तक आ जाएगा। इसके चलते मुंबईकर दिसंबर के अंतिम सप्ताह से ठंड का एहसास कर पाएंगे। मुंबई की हवा हुई खराब वातावरण में बढ़ते प्रदूषित कणों के कारण गुरुवार को मध्यम श्रेणी में रहने वाली मुंबई की हवा शुक्रवार को खराब हो गई। सिस्टम ऑफ एयर क्वॉलिटी ऐंड वेदर फॉरकॉस्टिंग (सफर) के अनुसार, शुक्रवार को पूरी मुंबई की हवा 218 एक्यूआई के साथ 'खराब' श्रेणी में रही। बीकेसी में 362, नई मुंबई में 329 और मालाड में 303 एक्यूआई के साथ यहां की हवा की गुणवत्ता बेहद खराब रही। यहां की हवाएं दिल्ली से भी ज्यादा प्रदूषित पाई गई है। दिल्ली की हवा 302 एक्यूआई के साथ बेहद खराब श्रेणी में पाई गई है। इसी तरह अंधेरी में 218 और चेंबूर में 245 एक्यूआई के साथ यहां की हवा की गुणवत्ता ' खराब' श्रेणी में रही है। जबकि भांडुप में 107 और कुलाबा में 102 एक्यूआई के साथ यहां की हवा की गुणवत्ता मध्यम रही।

अंगदान के मामले में मुंबई से आगे हुआ पुणे, महाराष्ट्र में इस साल अंगदान में आई 70 प्रतिशत की कमी

मुंबई, देश में हर साल लाखों लोगों की मौत केवल इसलिए हो जाती है कि उनको प्रत्यारोपण के लिए समय पर जरूरी अंग नहीं मिल पाते। कोरोना महामारी ने इस मामले में हालत और बदतर कर दी है। महाराष्ट्र में इस वर्ष अंगदान में कमी आई है। दूसरे शब्दों में कहें तो कोरोना काल में अंगदान का जरूरी काम ठहर गया है। सवा करोड़ आबादी वाला मुंबई कोरोना महामारी के बीच अंगदान में इस वर्ष दूसरे नंबर पर रहा, जबकि पुणे अंगदान में अव्वल रहा है। राज्य में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता फैलाई जाती है। पिछले वर्ष ब्रेन डेड हुए 160 लोगों के परिजन ने अंगदान के लिए सहमति दी थी। इससे करीब 450 लोगों को जीवनदान मिला था। इस वर्ष कोरोना महामारी के बावजूद अंगदान पर जागरूकता अभियान जारी था। इसके बावजूद राज्य में अंगदान में 70 प्रतिशत की कमी देखी गई। राज्य में 66 लोगों ने ही अंगदान किया राज्य में इस वर्ष 66 लोगों ने ही अंगदान किया है। इसमें भी पुणे आगे रहा है। पुणे में 34 लोगों ने अंगदान किया। जोनल ट्रांसप्लांट को- ऑर्डिनेशन कमिटी(जेडटीसीसी) की मुंबई को-ऑर्डिनेटर उर्मिला महाजन ने कहा,' पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष मुंबई में अंगदान में कमी आई है। पिछले वर्ष दिसंबर में 48 लोगों ने अंगदान किया था। इस वर्ष अभी तक 30 लोगों ने अंगदान किया है। इस वर्ष नागपुर में सबसे कम अंगदान हुआ है। नागपुर में सिर्फ 2 लोगों ने अंगदान किया है।

सर्दियों में न होंने दें शरीर में पानी की कमी, अपनाएं अधिक पानी पीने के ये आसान उपाय

सोनल झालावाड़िया

सर्दियों के मौसम में खुद को स्वस्थ रखने के लिए शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी होता है। गर्मियों के मौसम के विपरीत सर्दियों के दौरान आमतौर पर हमें बहुत कम पसीना होता है। लेकिन इस मौसम में भी पर्याप्त पानी पीना बहुत महत्वपूर्ण है। मौसम चाहे कोई भी हो, शरीर में पानी की कमी के कारण कई समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं।

लेकिन ठंड के मौसम में पूरे दिन पानी पीना बहुत आसान नहीं होता है। लेकिन यह शरीर के लिए उतना ही जरूरी है जितना कि सर्दियों में गर्म कपड़े पहनना। सर्दियों में हवा ड्राई होने के कारण शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या उत्पन्न होने लगती है। इससे आपके शरीर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। आइए जानते हैं सर्दियों के दौरान अधिक पानी पीने के आसान उपाय।

वसा घटाए

सर्दी के मौसम में वजन घटाना काफी मुश्किल काम होता है। इसका कारण यह है कि इस मौसम में हम बहुत कम पानी पीते हैं। लेकिन खुद को हाइड्रेट रखने से वसा घटती है और वजन कम होता है।

कभी 200 Kg तक पहुंच गया था कोरियोग्राफर गणेश आचार्य का वजन, बिना सर्जरी 1 साल में ऐसे घटाया 98 Kg Weight

त्वचा पर चमक लाए

ठंड के मौसम में भी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाया जा सकता है। रेगुलर पानी पीने से शरीर की गंदगी बाहर निकलती है, यूरीन साफ होता है और सिस्टम अंदर से क्लीन होता है।

तापमान रेगुलेट करे

सर्दी और गर्मी दोनों ही मौसम में पर्याप्त पानी पीने से शरीर का तापमान रेगुलेट होता है। सर्दियों में पानी पीने से आप लंबे समय तक गर्माहट महसूस कर सकते हैं।

एनर्जी प्रदान करे

आमतौर पर ठंड के मौसम में ठंडी और शुष्क हवाओं के कारण हमें अधिक सुस्ती और आलस महसूस होती है। पर्याप्त पानी पीने से हम तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

संक्रमण से बचाए

सर्दियों के दौरान खूब पानी पीने से शरीर में संक्रमण नहीं होता है। साथ ही सर्दी खांसी की समस्या से भी छुटकारा मिलता है।

खुद को हाइड्रेट रखने का आसान तरीका

सूप न केवल हेल्दी होते हैं बल्कि शरीर में पानी को बनाए रखते हैं। इनका सेवन करने से शरीर को गर्माहट मिलती है।

यदि आप ठंडा पानी नहीं पी सकते, तो ग्रीन टी या गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पिएं।

अधिक पानी युक्त फल और सब्जियों का सेवन करें। स्ट्रॉबेरी, संतरा, टमाटर, खीरा सर्दियों के मौसम के लिए बेहतर विकल्प हैं। एल्कोहल और कैफीन का सेवन न करें। इससे शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है।

अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखें। हर दिन पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की आदत डालें।

भूल जाएंगे महंगी दवाइयां, महीनेभर तक पिएं सिर्फ 1 कप अमरुद के पत्तों से बनी चाय

किरीट ए. चावड़ा

अक्सर लोग जब अमरूद की बात करते हैं तो इसके स्वाद के बारे में ही चर्चा करते हैं। लेकिन, इसके फायदों के बारे में कम ही लोगों को पता होता है। अमरूद में कई औषधीय गुण होते हैं, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं। अमरूद के फल ही नहीं, बल्कि इसके पत्ते भी कई मायनों में सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। अमरूद के पत्ते कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जिसके चलते यह अमरूद के फलों से भी ज्यादा गुणकारी हैं। अपने औषधीय गुणों के चलते कई जगह अमरूद की पत्तियों का इस्तेमाल चाय के तौर पर भी होता है। अमरूद की पत्तियों से बनी चाय को हर्बल चाय के रूप में जाना जाता है, जिसके औषधीय गुण आपको भी हैरान कर देंगे।

अमरूद की पत्तियों में एंटीऑक्सीडेंट, फ्लेवोनोइड और क्वेरसेटिक के साथ मेडिसिनल प्रॉपर्टीज भी भारी मात्रा में पाए जाते हैं, जो अमरूद की पत्तियों से बनी चाय की लोकप्रियता बढ़ा रहे हैं। यकीन मानिए इससे होने वाले सेहत संबंधी लाभों के बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। तो चलिए बताते हैं आपको अमरूद की पत्तियों से बनी चाय के कुछ जबरदस्त फायदों के बारे में-

1. कैसे बनाएं अमरूद के पत्तों की चाय

इस चाय को बनाने के लिए सबसे पहले आपको जरूरत होगी कुछ अमरूद के पत्तों की। इसके साथ एक तिहाई चम्मच नॉर्मल चाय पत्ती की, डेढ़ कप पानी और शहद की।

विधि- सबसे पहले अमरूद के करीब 10 ताजे पत्तों को अच्छे से धो लें। सॉसपैन लें और उसमें डेढ़ कप पानी को सामान्य आंच पर 2 मिनट के लिए उबलने के लिए रख दें। अब इसमें धुले हुए अमरूद के पत्ते डाल दें और स्वाद और कलर के लिए नॉर्मल चाय की पत्ती डालें। अब इसे 10 मिनट के लिए पकाएं। अंत में इसमें मीठेपन के लिए शहद मिला दें। आपकी अमरूद के पत्तों की चाय तैयार है।

2. कोलेस्ट्रॉल कम करे

शरीर में कोलेस्ट्रॉल की अधिकता कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। खासकर हार्ट के लिए कोलेस्ट्रॉल की अधिकता काफी खतरनाक होती है। इसकी अधिकता से हार्ट अटैक, हार्ट स्ट्रोक और एथेरोक्स्लेरोसिस का खतरा बना रहता है। दरअसल, कोलेस्ट्रॉल शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बाधित करता है। जो कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है। एक अध्ययन के मुताबिक, अमरूद के पत्तों की चाय काफी हद तक कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करती है। जिससे कई तरह के स्वास्थ्य लाभ होते हैं।

3. डायबिटीज से मिले छुटकारा

अमरूद के पत्तों से बनी चाय पीने से डायबिटीज की समस्या से भी छुटकारा मिलता है। टाइप 2 डायबिटीज की समस्या से जूझ रहे लोगों को अमरूद के पत्तों से बनी चाय जरूर पीना चाहिए। खाली पेट अमरूद के पत्तों से बनी चाय पीने से शुगर लेवल कंट्रोल होता है और डायबिटीज की समस्या शरीर को परेशान नहीं करती। इसलिए अगर आप इस समस्या से परेशान हैं तो दूध से बनी नॉर्मल चाय पीने के बजाय अमरूद के पत्तों से बनी चाय ही पिएं।

4. मुंहासों से छुटकारा दिलाए

अमरूद के पत्तों में मौजूद औषधीय तत्व खून को साफ करने का काम करते हैं। आमतौर पर चेहरे पर होने वाली मुंहासें और दाग-धब्बे की सबसे बड़ी वजह शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स होते हैं और अमरूद के पत्ते खून से इन्हीं टॉक्सिन्स को बाहर निकालते हैं। जिससे चेहरे पर होने वाले दाग-धब्बों और मुंहासों से छुटकारा मिलता है। दिन में एक बार अमरूद के पत्तों से बनी चाय पीने से आपको काफी हद तक मंहासों की समस्या से राहत मिल सकती है।

इसके अलावा, अमरूद की पत्तियों को पीसकर उसे मुंहासों पर लगाने से भी इस परेशानी से छुटकारा मिलता है।

5. बालों के झड़ने की परेशानी होगी दूर

अमरूद के पत्तों में मौजूद औषधीय तत्व खून को साफ करने का काम करते हैं। आमतौर पर चेहरे पर होने वाले मुंहासे और दाग-धब्बों की सबसे बड़ी वजह शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स होते हैं और अमरूद के पत्ते इन्हीं टॉक्सिन्स को खून से बाहर निकालते हैं। जिससे चेहरे पर होने वाले दाग-धब्बों और मुंहासों से छुटकारा मिलता है। दिन में एक बार अमरूद के पत्तों से बनी चाय पीने से आपको काफी हद तक मुंहासों की समस्या से राहत मिल सकती है। इसके अलावा, अमरूद की पत्तियों को पीसकर उसे मुंहासों पर लगाने से भी इस परेशानी से छुटकारा मिलता है।

6. पेट के लिए फायदेमंद

अमरूद के पत्तों से बनी चाय गैस, कब्ज और पेट की ऐंठन जैसी अन्य बीमारियों का भी रामबाण इलाज है। रोजाना एक कप अमरूद के पत्तों से बनी चाय आपको पेट की कई बीमारियों से छुटकारा दिला सकती है। इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण ना सिर्फ शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालते हैं, बल्कि पेट को ठंडक भी पहुंचाते हैं। तो अगर आप भी पेट संबंधी बीमारी से परेशान हैं तो रोजाना अमरूद के पत्तों से बनी चाय का सेवन जरूर करें।

शरीर हो गया है बेडौल, तो घर की बनी सिर्फ दाल-रोटी और गुड़ खाकर भी घट सकता है वजन

आज-कल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के लिए अपने पास समय की भारी कमी हो गई है। जिससे गिरती सेहत और बढ़ता वजन लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। वजन कम करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। कोई डाइटिंग तो कोई एक्सरसाइज के जरिए वजन कम करने की कोशिश करता है, लेकिन सफलता कम ही लोगों को मिल पाती है।

कई लोग तो दवाओं के जरिए भी वजन कम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वजन कम करने में जितना कारगर नेचुरल तरीका होता है उतना दूसरा कोई तरीका नहीं। क्योंकि मेडिसिन और ओबेसिटी के लिए की जाने वाली बेरियाट्रिक सर्जरी के कई नुकसान भी हो सकते हैंयही नहीं, कई बार तो लोग मोटापे से छुटकारा पाने के लिए खाना-पीना भी छोड़ देते हैं, जो सेहत के लिए भारी नुकसानदेय हो सकता है। इसलिए कभी भी अचानक कड़ा डाइट प्लान ना अपनाएं, ना ही मोटापा कम करने के लिए किसी तरह की सर्जरी या दवाओं का सहारा लें। क्योंकि आप अपने रूटीन और खाने में कुछ कुछ सामान्य लेकिन जरूरी बदलाव करके मोटापे से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए बस आपको खास रोटी और दाल से अपने रेगुलर रोटी-परांठे को रिप्लेस करना होगा । जो बिना किसी कड़ी डाइटिंग के ही आपका वजन कम कर देगा। हालांकि, इस दौरान आपको तले-भुने स्ट्रीट फूड और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाए रखनी होगी। अगर आप भी वजन कम करना चाहते हैं तो हम आपको बताते हैं कुछ ऐसे तरीकों और खाने के बारे में, जिनसे कुछ ही दिनों में आपको खुद में फर्क नजर आने लगेगा- एक्सरसाइज को कहें हां- एक्सरसाइज सिर्फ वजन को ही संतुलित नहीं रखती, बल्कि आपके शरीर को तंदरुस्त और मस्तिष्क को भी मजबूत बनाती है। इसलिए, हफ्ते में कम से कम 5 दिन जरूर वर्कआउट करें। इसके लिए जरूरी नहीं कि आप जिम ही जाएं। आप घर पर रहकर भी कुछ जरूरी वर्कआउट कर सकते हैं, लेकिन इससे पहले किसी एक्सपर्ट से सलाह लेना ना भूलें। आप डांस, कार्डियो और रनिंग के जरिए भी खुद को फिट रखने की कोशिश कर सकते हैं। ब्रेकफास्ट दिन का सबसे जरूरी भोजन होता है। इसका सभी को विशेष ध्यान रखना चाहिए और किसी भी कंडीशन में ब्रेकफास्ट स्किप करने से बचना चाहिए। वजन कम करने में प्रोटीन और फाइबर युक्त भोजन काफी कारगर होता है।

रात में उल्लू की तरह जागते हैं, तो सोने से 1 घंटे पहले पिएं ये हर्बल ड्रिंक

आजकल बहुत से लोग नींद न आने की समस्या से परेशान हैं। रात की अच्छी नींद इंसान को अगली सुबह फ्रेश और एनर्जी से भर देती है। एक अच्छी नींद तनाव को दूर रखने और जीवन में बैलेंस बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। नींद की कमी से आपके शरीर को पूरा आराम नहीं मिल पाता, जिसकी वजह से आप कई गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

यदि आप भी नींद न आने की समस्या से परेशान हैं, तो डॉक्टर की बताई दवाइयों को छोड़ें और यहां बताई गई हर्बल ड्रिंक का सेवन करें। इस हर्बल ड्रिंक में ऐंटिऑक्सिडेंट्स और फ्लैवनॉयड्स की मात्रा अधिक होती है। इस वजह से ये हमारे तंत्रिका-तंत्र को रिलैक्स करने में मदद करता है जिससे आपका शरीर और मन दोनों शांत हो जाते हैं और आपको अच्छी नींद आती है। इसे रोज रात में सोने से पहले पिएं।

बनाने की विधि - एक गिलास में गुनगुना दूध लें और उसमें शहद मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिक्स करें और रात में सोने से पहले रोज पिएं। यह ड्रिंक नींद लाने में एक टॉनिक की तरह काम करेगा और आपके दिमाग को रिलैक्स करेगा। रात में सोने से पहले दूध पीने की प्रथा कई साल पुरानी है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के लिए यह सप्ताह अचानक आने वाली परेशानियों से घिरा रहेगा। द्वितीय स्थान में राहू और अष्टम में पंचग्रही योग होने के कारण भारी उठापटक और अनिश्चितता रहेगी। आर्थिक संकट परेशान करेंगे। अचानक कोई रोग या कष्ट आ सकता है। किसी आरोप-प्रत्यारोप से घिर सकते हैं। पारिवारिक जीवन में उथलपुथल रहेगी।

वृषभ : आपके लग्न में स्थित राहू अचानक कोई लाभ का अवसर दे सकता है, हालांकिमानसिक अस्थिरता के दौर से आपको गुजरना पड़ेगा। आपके सप्तम स्थान में पंचग्रही योग पारिवारिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। यहां स्थिति शुक्र भोग विलास के साधन तो उपलब्ध करवाएंगे लेकिन साथ ही कष्ट भी उसी मात्रा में आ सकता है।

मिथुन : आपके छठे भाव में पंचग्रही योग शारीरिक कष्ट देगा। द्वादश गू के कारण अनावश्यक खर्च होगा। आपके कार्य कुछ मात्रा में गति पकड़ेंगे लेकिन फिर भी आपको कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह के मध्य में कोई आर्थिक योजना कारगर हो सकती है और आपको अचानक बड़ी धनराशि की प्राप्ति होने के योग बन रहे हैं।

कर्क : इस सप्ताह शिक्षा और संतान के क्षेत्र से आपको कोई दिक्कत आ सकती है। विद्यार्थियों को मनमुताबिक सफलता नहीं मिलने से तनाव, डिप्रेशन हो सकता है। संतान को कष्ट आने की आशंका है। आर्थिक संकट घेरे रहेंगे। कोई काम अटक सकता है, इस कारण मानसिक कष्ट होगा।

सिंह : इस सप्ताह आपका सुख प्रभावित हो रहा है, हालांकिपंचम में सूर्य की उपस्थिति आपके मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत भी दे रही है। आपको पैसों की बचत करना होगी। दशम कार्य स्थान में राहू होने से आपकी नौकरी-व्यापार में अचानक कोई बदलाव हो सकता है। कोई बड़ी कार्ययोजना भी साकार हो सकती है।

कन्या : आपको भाई-बहनों से विवाद का सामना करना पड़ेगा। उनकी शारीरिक परेशानी आपको भी चिंतित करेगी। सप्तम में मंगल आपको निजी रिश्तों में भी विवाद पैदा करेगा। जीवनसाथी के साथ मनमुटाव इस सप्ताह भी जारी रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। हालांकिभाग्य का साथ मिलने से मध्य सप्ताह के बाद कोई शुभ समाचार हो सकती है।

तुला : शारीरिक कष्ट, आर्थिक संकट बना रहेगा। अचानक किसी बड़ी धनराशि की जरूरत आपको लग सकती है। कहीं अचानक यात्रा करना पड़ सकती है। पुराने कार्यों को कुछ गति मिलेगी लेकिन मनमुताबिक रफ्तार नहीं मिल पाएगी। कार्य-व्यवसाय में बदलाव की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को कोई कष्ट आ सकता है।

वृश्चिक : इस सप्ताह आप बड़े बदलाओं के दौर से गुजरेंगे, चाहे वह निजी हो या प्रोफेशनल। नौकरी-व्यवसाय में परिवर्तन, परिवार में कोई अनपेक्षित हानि, संकट, आर्थिक परेशानी आ सकती है। मानसिक अस्थिरता के कारण आप शारीरिक रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

धनु : द्वितीय धन स्थान में बृहस्पति की युति और द्वादश चंद्र परेशानियों को काफी हद तक कम करने में मदद करेगा। पिछले कुछ दिनों से जो मानसिक अस्थिरता बनी हुई है, वह कुछ कम होगी। कार्यों को गति मिलेगी। किसी विशेष कार्य के पूर्ण होने की ओर अग्रसर होंगे, हालांकिकार्य अपूर्ण ही रहेगा।

मकर : आपका एकादश स्थान पंचग्रही योग के प्रभाव में रहने से मिलाजुला रहेगा सप्ताह। बुध-शुक्र आपके आय के साधनों बढ़ोतरी करेंगे तो सूर्य आपको पद-प्रतिष्ठा दिलाने में सहायता करेगा। चंद्र थोड़ा मानसिक उथल-पुथल मचा सकता है। प्रेम संबंधों में अस्थिरता बनी रहेगी। कोई विशेष कार्य अटक भी सकता है।

कुंभ : इस सप्ताह आपका भाग्य मजबूत रहेगा। मंगल के कारण आप तेजी से गति करेंगे और कार्यों को बिना आलस्य के पूर्ण करेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। इस सप्ताह यात्राएं करना पड़ेंगी। किसी पारिवारिक-धार्मिक आयोजन में खर्च करेंगे। पति-पत्नी के साथ संबंधों में सुधार के प्रयास करें।

मीन : लग्न में उपस्थित मंगल इस सप्ताह आपके क्रोध में वृद्धि करेगा। इसलिए थोड़ा संयम बरतें। विवादपूर्ण बातों को अनदेखा करने का प्रयास करें। कार्य अपूर्ण रह सकते हैं। प्रेम संबंधों में दूरी बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। स्वास्थ्य में भी सुधार हो सकता है। नए कार्य-व्यवसाय के लिए समय ठीक है।

चुटकुले

मोनू :- डॉक्टर साहब मैं घर जाने के लिए सीढ़ियाँ चढ़ता हूं, तो रोजाना मेरी साँस फूलने लगती है।

डॉक्टर :- मैं कुछ दवाई दे रहा हूं, उन्हें समय पे खाना और रोजाना व्यायाम करना।

मोनू :- डॉक्टर साहब मैं रोज फुटबाल और क्रिकेट खेलता हूं।

डॉक्टर :- कब और कितनी देर खेलते हो।

मोनू :- सुबह और शाम दोनों टाइम जब तक फोन की बैटरी चार्ज रहती रहती है।

पत्नी :- देखो मैं इसे पिछले 7 साल से लगातार पहन रही हूं,
फिर भी इसकी फिटिंग वैसी की वैसी ही है, और तुम मुझे मोटी कहते रहते हो!

पति :- भगवान से डर!! ये शॉल है!!

मुरादाबाद लव जिहाद केस: कोर्ट को नहीं मिले सबूत, युवक को छोड़ने का आदेश, महिला के गर्भपात का अल्ट्रासाउंड में हुआ खुलासा

मुरादाबाद, 22 वर्षीय महिला के पति को यूपी के नए धर्मांतरण विरोधी कानूनों के तहत लव जिहाद के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। महिला को शेल्टर होम भेज दिया गया था, जहां उसका गर्भपात हो गया था। एक निजी लैब में अल्ट्रासाउंड के बाद इस बात की पुष्टि हुई है कि महिला का गर्भपात हुआ है। स्थानीय बजरंग दल इकाई ने इस दंपति के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी, जब दोनों अपने निकाह का पंजीकरण करवाने जा रहे थे। महिला के पति और देवर को 13 दिनों तक जेल में रखा गया। पुलिस को अब तक इस केस में जबरन धर्मांतरण कराने के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है। अब यह तय माना जा रहा है कि महिला के पति को रिहा किया जा सकता है।

महिला ने कहा कि उसने गर्भपात कराया था। बिजनौर के धामपुर में महिला का अल्ट्रासाउंड करने वाले डॉ. पीएस सिसोदिया ने बताया कि हमने पाया कि महिला का गर्भपात हो गया था। उनके गर्भाशय में एक संक्रमण है, जिसे आगे गंभीर होने से बचाने के लिए महिला को इलाज की जरूरत है। रिपोर्ट में लिखा है, 'एंडोमेट्रियोसिस के साथ भारी यूटी (गर्भाशय के बाहर ऊतक बढ़ रहा है) और ... यूटी में रक्त के थक्के।'

महिला ने आरोप लगाया था कि उसे जिला अस्पताल में रखा गया जहां उसका गर्भपात हो गया। उसे ब्लीडिंग हो रही थी और बहुत ज्यादा दर्द था। यहां उसे जबरन इंजेक्शन दिए गए। वहीं जिला अस्पताल प्रशासन ने इस मामले में कुछ भी कहने से इनकार किया है।

जिला अस्पताल के अधिकारियों की सफाई

निजी लैब के नतीजे सामने आने के बाद मुरादाबाद के जिला अस्पताल की कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. निर्मला पाठक बताया कि अल्ट्रासोनोलॉजिस्ट डॉ. आरपी

मिश्रा ने रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि भ्रूण दिख रहा था, लेकिन दिल की धड़कन नहीं थी। डॉ. मिश्रा ने टीओआई को बताया, कि जब बच्चे का पहला अल्ट्रासाउंड किया गया था, तो हमें कुछ आशंका लग रही थी। बच्चे के दिल की धड़कन नहीं मिली। दूसरे परीक्षण के लिए, हमने एक डॉपलर अल्ट्रासाउंड किया लेकिन दिल की धड़कन का पता नहीं चल पाया। पुष्टि के लिए, मैंने एक ट्रांस वैजाइनल स्कैन के लिए कहा था क्योंकि कभी-कभी ऐसी संभावना होती है कि बच्चा जिंदा होता है।

'अस्पताल को नहीं बताया गया कि मेडिको लीगल केस है'

महिला को शेल्टर होम से 11 दिसंबर को अस्पताल ले जाया गया और फिर 13 दिसंबर को शेल्टर होम से अस्पताल लाया गया। उसकी कोई फाइल नहीं दी गई जिससे पता चल सके कि यह मेडिको-लीगल केस है। वहीं पुलिस ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट की कोई जरूरत नहीं थी।

महिला ने उठाए सवाल

कांठ में अपने ससुराल वालों के साथ रह रही इस महिला को अभी भी यकीन नहीं है। वह सदमे में है कि अपने पति के जेल से बाहर आने के बाद गर्भपात की खबरे कैसे देगी। महिला ने कहा, 'मुझे पिछले पांच दिनों से कहा जा रहा है कि उसे छोड़ दिया जाएगा। वह अभी तक नहीं छोड़ा गया। मैंने अपने बच्चे को खो दिया। उनसे बात नहीं कर पा रही हूं। हम एक दूसरे से प्यार करते हैं। अगर प्यार में लोगों के साथ ऐसा होता है तो कोर्ट-रजिस्टर्ड मैरिज का क्या मतलब है?'

50,000 रुपये निजी मुचलके पर रिहाई का आदेश

रिपोर्ट दाखिल करने के समय उनके पति को रिहा नहीं किया गया था। मुरादाबाद जेल के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, रिलीज ऑर्डर, 'परवाना', शुक्रवार शाम तक उनके पास नहीं पहुंचा था। पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 169 (आरोपियों की रिहाई जब साक्ष्य की कमी है) के तहत जिला अदालत में रिपोर्ट दर्ज की है और अपने पति और देवर की रिहाई का अनुरोध किया है। मुरादाबाद एएसपी (ग्रामीण) विद्या सागर मिश्रा ने कहा कि अदालत ने 50,000 रुपये के निजी मुचलके पर उनकी रिहाई का आदेश दिया है।

अधिकारियों ने दी सफाई

उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. विश्वेश गुप्ता, जिन्होंने पहले कहा था कि भ्रूण जीवित था अब कोई टिप्पणी नहीं की है। महिला ने कहा था कि जब वह उसके पति और देवर को गिरफ्तार किया गया था, तब उसे शेल्टर होम भेज दिया गया था। उसकी हिरासत में, जिला परिवीक्षा अधिकारी राजेश गुप्ता ने कहा, केवल कानूनी प्रक्रियाओं के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए हमने कांठ उपखंड मजिस्ट्रेट के निर्देशों पर उसे शेल्टर में रखा था। जब तक उसके बयान नहीं दर्ज होते तो उसे और कहां रखा जाता। बाकी अस्पताल हमारे अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने NSA अजीत डोभाल के बेटे से मांगी माफी, कहा- गुस्से में आकर दिया था बयान

कांग्रेस नेता जयराम रमेश आपराधिक मानहानि मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभील के बेटे विवेक डोभाल से माफी मांगी है। विवेक डोभाल ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश और कारवां मैगज़ीन के ख़िलाफ़ उनके खिलाफ एक बयान और लेख के लिए मानहानि का मुकदमा दायर किया था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, 'मैंने विवेक डोभाल के खिलाफ बयान दिया। चुनावों के समय मैंने गुस्से में आकर कई आरोप लगाए। मुझे इसका सत्यापन करना चाहिए था।" इस मामले पर विवेक डोभाल ने कहा, 'जयराम रमेश ने माफी मांगी है और हमने इसे स्वीकार कर लिया है। कारवां पत्रिका के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला जारी रहेगा।' अजीत डोभाल के बेटे विवेक डोभाल ने सोमवार को कथित रूप से मानहानिपूर्ण लेख प्रकाशित करने पर एक समाचार पत्रिका के खिलाफ फौजदारी मानहानि शिकायत दायर की थी। विवेक ने इस मामले में कांग्रेसी नेता जयराम रमेश के खिलाफ भी अभियोजन का अनुरोध किया था। 'कारवां पत्रिका, इस लेख के लेखक तथा रमेश के खिलाफ शिकायत दायर की गई है। लेख में दावा किया गया कि विवेक एक विदेशी फंड फर्म चला रहे हैं जिसके प्रमोटरों की संदिग्ध पृष्ठभूमि रही है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट समर विशाल मंगलवार को इस मामले में सुनवाई कर सकते हैं। 'द कारवां' नाम की एक वेब मैग्जीन ने अजीत डोभाल और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि अजीत डोभाल के बेटे विवेक डोभाल केमैन आइलैंड में हेज फंड चलाते हैं। यह हेज फंड 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नोटबंदी की घोषणा के महज 13 दिन बाद पंजीकृत किया गया था। विवेक का यह व्यवसाय उनके भाई शौर्य डोभाल के व्यवसाय से जुड़ा है।

कोलियरी में हथियारबंद बदमाशों ने मचाया तांडव

रांची, झारखंड में लातेहार स्थित तेतरियाखाड कोलियरी में हथियारबंद अपराधियों ने हमला कर दिया। इस दौरान बदमाशों ने कई वाहनों में आग लगा दी और फायरिंग भी की। इस गोलीबारी में चार लोग घायल भी हो गए। घटना की सूचना मिलते बालूमाथ एसडीपीओ अजीत कुमार दल-बल के साथ कोलियरी पहुंचे। सूचना है कि इस दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच भी गोलीबारी हुई। तेतरियाखाड कोलियरी में अपराधियों का हमला जानकारी के मुताबिक, बालूमाथ थाना इलाके में सीसीएल की ओर से संचालित तेतरियाखाड कोलियरी परिसर में शुक्रवार शाम करीब 7.30 बजे हथियारबंद अपराधियों ने हमला किया। इस दौरान जमकर फायरिंग भी की गई। अपराधियों ने 5 ट्रकों में आग लगा दी। अपराधियों ने पहले इन ट्रकों पेट्रोल को छिड़का फिर आग लगाई। बदमाशों का तांडव यही नहीं थमा उन्होंने 19 वर्षीय पिंटू यादव, कोयला व्यवसायी का मुंशी 30 वर्षीय बसरोपण गंझू, ट्रक ड्राइवर अनिल यादव और सूरज गंझू को गोली मार दी। फायरिंग में चार लोग घायल घटना के बाद आसपास के लोगों के सहयोग से चारों घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां डॉक्टर सुरेश राम की ओर से प्राथमिक इलाज के बाद चारों की गंभीर स्थिति को रिम्स रेफर कर दिया। घटना की सूचना पाकर बालूमाथ एसडीपीओ अजीत कुमार पुलिस टीम साथ कोलियरी पहुंचे। इस दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच भी फायरिंग हुई।

देर रात कोलकाता पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह, क्या 2 दिन के दौरे से बदल जाएंगे चुनावी समीकरण ?

कोलकाता, बिहार चुनाव के बाद अब पूरे देश की नजरें पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों पर टिकी हुई हैं। बीजेपी काफी वक्त से बंगाल चुनावों को लेकर तैयारियों में जुटी हुई है। आज देर रात गृहमंत्री अपने दो दिन के दौरे में कोलकाता पहुंच चुके हैं।

अमित शाह के स्वागत में हजारों बीजेपी कार्यकर्ता सड़क से लेकर एयरपोर्ट तक मौजूद थे।

बीजेपी के चाणक्य ने बंगाल में डेरा डाला

बीजेपी के 'चाणक्य' कहे जाने वाले अमित शाह देर रात कोलकाता हवाई अड्डे पहुंचे वहां से अपने काफिले के साथ आगे के लिए रवाना हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं का हुजूम उनके साथ था। शाह ने अपने अंदाज में कुछ दूर पैदल चलकर लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। बीजेपी जिस तरह से बंगाल में पैठ जमा रही है उससे लग रहा है कि इस बार नतीजे हैदराबाद निकाय चुनाव की तरह ही बदले हुए न आ जाएं।

दो दिन में टीएमसी को दे सकते हैं झटका

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिन 19 और 20 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के चुनावी दौरे पर हैं। इस दौरान वह कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर कई रणनीतिक बैठकें भी करेंगे। राज्य में हुए हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों को देखते हुए अमित शाह का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है। अटकलें हैं कि इन दो दिनों के दौरान तृणमूल कांग्रेस में बड़ी उठापटक देखी जा सकती है।

शाह के पहुंचने से पहले इस्तीफे

यहां पर गौर करने वाली बात ये भी है कि उनके दौरे से पहले टीएमसी में इस्तीफे का दौर चल रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बंगाल दौरे से पहले तृणमूल कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। पूर्वी मेदिनीपुर जिले की उत्तर कांठी सीट से पार्टी विधायक बनश्री मैती ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। मैती ने पार्टी अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक पत्र लिखकर अपने फैसले की जानकारी दे दी है।

बंगाल: शाह के आने से पहले ममता को तगड़ा झटका, एक और विधायक का पार्टी से इस्तीफा

ममता के अपनों ने भी साथ छोड़ा

इससे पहले ममता के खास और पूर्व परिवहन मंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। विधायकी छोड़ने के एक दिन बाद गुरुवार को शुभेंदु ने तृणमूल कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया था। इसी के साथ ही टीएमसी विधायक जितेंद्र तिवारी ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इसके एक दिन बाद शुक्रवार को बैरकपुर के विधायक शीलभद्र दत्ता और कंथी उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बनश्री मैती ने भी अपना इस्तीफा दे दिया। इस बीच, विपक्षी माकपा को भी झटका लगा है क्योंकि विधायक तापसी मंडल ने पार्टी छोड़ दी है।

अगर आपको हो चुका है कोरोना तो हो जाएं सावधान क्योंकि घेर सकती हैं दूसरी बीमारियां

कोरोना के आंकड़ें जरूर कम हो रहे है, लेकिन कोरोना से छुटकारा मिलने के बाद अब मरीज दूसरी बीमारियों से परेशान हो रहे है। जयपुर में कुछ ऐसे केस सामने आ रहे है, जो काफी गंभीर है। महात्मा गांधी अस्पताल के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर एवं हेड डॉक्टर पुनीत रिझवानी ने बताया कि कोरोना के बाद डायबिटिक पेशेंट की आंखों में फंगल इंफेक्शन न्यूकर माइकोसिस के केस सामने आ रहे है। पहले इस तरह के केस सालभर में एक-दो ही देखने को मिलते थे। लेकिन अब उन्होंने करीब पांच केस ऐसे देखे हैं, जिनमें पोस्ट कोविड मरीज को इस तरह का इंफेक्शन हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत खतरनाक इंफेक्शन हैं और समय पर सावधानी नहीं बरती तो यह काफी खतरनाक हो सकता है। उन्होंने बताया कि शुगर के मरीजों में यह बीमारी ज्यादा देखी जा रही है। इसका लक्षण आंखों में ूसजन, सिर दर्द, धुंधला दिखाई देना है। साथ ही डॉक्टर रिझवानी ने बताया कि कोरोना संक्रमण से ठीक होने के बाद भी लंग्स में फेब्रोसिस, जोड़ो में दर्द और गले में संक्रमण, हाथ-पैर में दर्द, स्टेमिना कमजोर होना, चिड़चिड़ापन जैसी बीमारियां सामने आ रही है।

बढ़ रहा कार्डियक अरेस्ट और स्ट्रॉक का खतरा डॉक्टर्स के मुताबिक कोरोना पीरियड में यह देखने में आया कि मरीज कोरोना से ठीक हो चुका है। लेकिन, कई मरीज पोस्ट कोविड के दौरान उन्हें अचानक कार्डियक अरेस्ट और ब्रेन सट्रॉक हो रहा है। ऐसे में इससे बचाव के लिए जरूरी है कि समय-समय पर डी डाइमेर वेल्यूज करानी चाहिए। इस टेस्ट से पता चलता है कि खून कितना गाढ़ा है।

जानें एसोचैम के फाउंडेशन वीक कार्यक्रम के मौके पर क्या बोले प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उद्योग मंडल एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ऑफ इंडिया (एसोचैम) के स्थापना दिवस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। संबोधन से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने टाटा संस के चेयरमैन रतन टाटा को एसोचैम एंटरप्राइज ऑफ द सेंचुरी अवॉर्ड से सम्मानित किया। जानें इस के दौरान पीएम मोदी की कही बड़ी बातें:

1. पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत में टाटा कंपनी और अन्य सदस्यों की तारीफ करते हुए कहा- बीते 100 सालों से आप सभी देश की अर्थव्यवस्था को, करोड़ों भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने में जुटे हैं।

2. भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देते हुए पीएम मोदी बोले, 'अब आने वाले वर्षों में आत्मनिर्भर भारत के लिए आपको पूरी ताकत लगा देनी है। इस समय दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति की तरफ तेज़ी से आगे बढ़ रही है। नई टेक्नॉलॉजी के रूप में चुनौतियां भी आएंगी और अनेक समाधान भी मिलेंगे।इसलिए आज वो समय है, जब हमें प्लान भी करना है और एक्ट भी करना है। हमें हर साल के, हर लक्ष्य को Nation Building के एक Larger Goal के साथ जोड़ना है।'

3. आने वाले 27 साल भारत के Global Role को ही तय नहीं करेंगे, बल्कि ये हम भारतीयों के Dreams और Dedication, दोनों को टेस्ट करेंगे। ये समय भारतीय इंडस्ट्री के रूप में आपकी Capability, Commitment और Courage को दुनिया भर को दिखा देने का है: PM

4. हमारा चैलेंज सिर्फ आत्मनिर्भरता ही नहीं है। बल्कि हम इस लक्ष्य को कितनी जल्दी हासिल करते हैं, ये भी उतना ही महत्वपूर्ण है: PM

5. एक जमाने में हमारे यहां जो परिस्थितियां थीं, उसके बाद कहा जाने लगा था- Why India.अब जो Reforms देश में हुए हैं, उनका जो प्रभाव दिखा है, उसके बाद कहा जा रहा है- 'Why not India': PM

6. नया भारत, अपने सामर्थ्य पर भरोसा करते हुए, अपने संसाधनों पर भरोसा करते हुए आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ा रहा है और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मैन्युफेक्चरिंग पर हमारा विशेष फोकस है। मैन्युफेक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए हम निरंतर सुधार कर रहे हैं: PM

7. देश आज करोड़ों युवाओं को अवसर देने वाले Enterprise और Wealth Creators के साथ है: PM

8. निवेश का एक और पक्ष है जिसकी चर्चा आवश्यक है। ये है रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट यानी R&D पर होने वाला निवेश। भारत में R&D पर निवेश बढ़ाए जाने की जरूरत है: PM

9. 21वीं सदी की शुरुआत में अटल जी ने भारत को हाईवे से जोड़ने करने का लक्ष्य रखा था। आज देश में Physical और Digital Infrastructure पर विशेष फोकस किया जा रहा है: PM

4 युद्धों में मात खाने के बाद भी पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा-राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हैदराबाद के डुंडीगल में एयर फोर्स अकादमी में कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, 'अब तो भारत आतंकवादियों के ख़िलाफ़ देश के भीतर ही नहीं बल्कि सीमा पार जाकर भी प्रभावी कारवाई कर रहा है। बालाकोट में भारतीय वायुसेना ने आतंकवाद के ख़िलाफ़ प्रभावी कारवाई करके सारी दुनिया को भारतीय सेना की ताक़त और आतंक के ख़िलाफ़ उसके मज़बूत इरादों से परिचित करा दिया।' राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिमी सेक्टर में पाकिस्तान से लगती सीमाओं पर आए दिन हमारा पड़ोसी कुछ न कुछ नापाक हरकतें करते रहता है। एक नहीं बल्कि चार युद्धों में मात खाने के बाद भी पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए एक प्रॉक्सी वार लड़ रहा है। इस दौरान उन्होंने चीन को भी जवाब दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तरी क्षेत्र में हाल ही में हुए भारत-चीन गतिरोध से आप सभी परिचित हैं। कोविड जैसे संकट के समय में चीन का यह रवैया उस देश की नीयत को दिखाता है। हमने यह दिखा दिया है कि अब यह हमारा भारत कोई कमजोर भारत नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक चैनल के जरिए बातचीत हो रही है। हम संघर्ष नहीं बल्कि शांति चाहते हैं। मगर देश के स्वाभिमान पर किसी भी तरह की चोट हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम किसी भी स्थिति का मुक़ाबला करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि अब आप जिस संगठन के अंग हैं, उसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है। देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा के लिए भारतीय वायुसेना ने जरूरत पड़ने पर, दुश्मनों के हौसले पस्त करने वाले शौर्य और पराक्रम का प्रदर्शन किया है।

सरकारी स्कूल के टीचर ने 9वीं की छात्रा का दो बार स्कूल और एक बार होटल में किया रेप

राजस्थान में बूंदी जिले के एक गांव में एक स्कूल अध्यापक के खिलाफ नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्कूल में कक्षा तीन को पढ़ाने वाले एक शिक्षक ने कक्षा नौ में पढ़ने वाली एक छात्रा के साथ कई बार दुष्कर्म किया। सूत्रों ने कहा कि छात्रा की चिकित्सकीय जांच कराई जा रही है और मामले की जांच की जा रही है। आरोपी को अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। हिंडोली के पुलिस उपाधीक्षक श्याम सुंदर विश्नोई ने बताया कि बच्ची के माता-पिता ने शुक्रवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और कहा कि घटना का वीडियो भी बनाया गया है। शिकायत में छात्रा ने कहा है कि शिक्षक ने दो बार स्कूल में और एक बार एक होटल में भी उससे दुष्कर्म किया तथा किसी को इस बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को बच्ची ने हिम्मत कर अपने घरवालों को इस बारे में बताया, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया।

SPORTS खेल जगत

ऑस्ट्रेलिया ने दी भारत को करारी शिकस्त, जानें लेटेस्ट ICC टेस्ट प्वॉइंट चैम्पियनशिप का हाल

टीम इंडिया के लिए एडिलेड टेस्ट का तीसरा दिन ऐसा रहा, जिसे वो लंबे समय तक चाहकर भी भूल नहीं पाएंगे। टीम ने इस दौरान टेस्ट मैचों में अपना सबसे कम स्कोर 36 बनाया जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही आठ विकेट से जीत दर्ज कर चार मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। पिच में कोई खराबी नहीं थी लेकिन जोश हेजलवुड (पांच ओवर में आठ रन देकर पांच विकेट) और पैट कमिन्स (10.2 ओवर में 21 रन देकर चार विकेट) ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से भारतीय पारी को तहस-नहस कर दिया। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में जब नौ विकेट पर 36 रन बनाए थे तब मोहम्मद शमी को चोटिल होने के कारण क्रीज छोड़नी पड़ी जिससे पारी वहीं पर समाप्त हो गई। भारत का यह 88 सालों के टेस्ट इतिहास का सबसे न्यूनतम स्कोर है। भारत को पहली पारी में 55 रन की बढ़त मिली थी और इस तरह से ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 90 रन का लक्ष्य मिला। शमी चोटिल होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाए और ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से 21 ओवर में दो विकेट पर 93 रन बनाकर डे-नाइट टेस्ट मैचों में अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखा। भारत का इससे पहले न्यूनतम स्कोर 42 रन था जो उसने 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ लार्ड्स में बनाया था।

टेस्ट क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम पर है जिसने 1955 में इंग्लैंड के खिलाफ ऑकलैंड में 26 रन बनाए थे। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी नंबर वन की पॉजिशन मजबूत कर ली है। भारतीय टीम इस हार के बावजूद प्वॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर मौजूद है जबकि न्यूजीलैंड तीसरे नंबर पर विराजमान है।

आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के प्वॉइंट्स का क्या सिस्टम है- दरअसल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के प्वॉइंट सिस्टम के मुताबिक दो मैचों की सीरीज में जीतने पर 60 प्वॉइंट्स, टाई होने पर 30 प्वॉइंट्स और ड्रॉ के 20 प्वॉइंट्स मिलेंगे, जबकि हारने पर एक भी प्वॉइंट नहीं होगा। कितने भी मैचों की सीरीज हो हारने वाली टीम को कोई प्वॉइंट नहीं मिलेगा। वहीं तीन मैचों की सीरीज में जीतने पर 40 प्वॉइंट्स, टाई होने पर 20 प्वॉइंट्स और ड्रॉ होने पर 13 प्वॉइंट्स होंगे।

चार मैचों की सीरीज में जीतने वाली टीम को 30 प्वॉइंट्स, टाई होने पर 15 प्वॉइंट्स और मैच ड्रॉ होने पर 10 प्वॉइंट्स होंगे। जबकि पांच मैचों की सीरीज में जीतने पर 24 प्वॉइंट्स, टाई होने पर 12 प्वॉइंट्स और ड्रॉ होने पर आठ प्वॉइंट्स होंगे। (टाई और ड्रॉ होने पर दोनों टीमों के एक जैसे प्वॉइंट्स मिलेंगे।)

इन पांच बड़ी वजहों के चलते भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गंवाया डे-नाइट टेस्ट मैच

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भारत को 8 विकेट से हरा दिया है। 90 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जो बर्न्स (नॉटआउट 51) और मैथ्यू वेड (33) की पारियों के चलते 8 विकेट शेष रहते हुए इस मैच को अपने नाम कर लिया। चार मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने अब 1-0 की बढ़त बना ली है। इससे पहले, दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और टीम 9 विकेट खोकर महज 36 रन ही बना सकी। मोहम्मद शमी चोटिल होने के चलते बल्लेबाजी नहीं कर सके। टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में यह भारत का अबतक का सबसे कम स्कोर है। आइए एक नजर डालते हैं कोहली एंड कंपनी को मिली इस शर्मनाक हार की पांच बड़ी वजहों पर..

1. पृथ्वी शॉ को शामिल करना पड़ा भारी

एडिलेड टेस्ट मैच से पहले हर कोई यह मानकर चल रहा था कि इस डे-नाइट मुकाबले में मयंक अग्रवाल का साथ देने केएल राहुल या शुभमन गिल में से कोई एक मैदान पर उतरेगा। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने शुभमन गिल को सही विकल्प भी बताया था, लेकिन कप्तान विराट कोहली ने आउट ऑफ फॉर्म चल रहे पृथ्वी शॉ पर भरोसा जताया और उनको सलामी बल्लेबाज के तौर पर मौका दिया। शॉ कप्तान के फैसले को सही साबित नहीं कर सके और पहली पारी में 0 और दूसरी पारी में सिर्फ 4 रन ही बना सके।

2. टॉप ऑर्डर फ्लॉप

पृथ्वी शॉ के दोनों ही पारियों में जल्दी आउट होने के बाद मयंक अग्रवाल भी बल्ले से कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। मयंक ने पहली पारी में 17 और दूसरी में 9 रन बनाए। ओपनर के फ्लॉप होने के बाद पहली पारी में चेतेश्वर पुजारा ने 43 रनों की पारी जरूर खेली, लेकिन दूसरी इनिंग में वह अपना खाता तक नहीं खोल सके। भरोसेमंद पुजारा के आउट होने के भारत के मिडिल ऑर्डर पर अधिक दबाव पड़ा और पूरी बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया।

3. कोहली का रनआउट बना मैच का टर्निंग पॉइंट

पहली पारी में विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे के बीच खराब तालमेल के चलते कोहली को अपने विकेट रनआउट के रूप में गंवाना पड़ा था, जो कि इस मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट था। कोहली और रहाणे चौथे विकेट के लिए 88 रन जोड़ चुके थे और इन दोनों के क्रीज पर होने से भारत की टीम पहली पारी में 350 के आसपास का स्कोर देख रही थी, लेकिन रहाणे की गलती के चलते विराट के आउट होने के बाद मैच पूरी तरह से पलट गया। विराट जब आउट हुए तो टीम इंडिया का स्कोर 188 रन था और इसके बाद टीम ने अपने अगले छह विकेट महज 56 रन पर गंवा दिए।

4. मिडिल ऑर्डर बना कमजोरी

भारत के मिडिल ऑर्डर की पोल दोनों ही पारियों में खुलकर सामने आई। पहली इनिंग में विराट कोहली के आउट होने के बाद कोई भी बल्लेबाज प्रेशर की स्थिति में टिककर खेलने में नाकाम रहे, जबकि दूसरी पारी में भी यही कहानी रही। रहाणे कुछ हद तक टच में जरूर नजर आए, लेकिन अपने काबिलियत के अनुसार प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। वहीं, हनुमा विहारी और ऋद्धिमान साहा ने भी दोनों ही पारियों में अपने प्रदर्शन से निराश किया।

5. टीम सिलेक्शन में दिखी खामियां

एडिलेड टेस्ट मैच में भारत के प्लेइंग इलेवन पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल खड़े किए थे। पृथ्वी शॉ को टीम में शामिल करना कप्तान कोहली की सबसे बड़ी गलती साबित हुई। वहीं, इन फॉर्म बल्लेबाज केएल राहुल को बाहर बैठना का फैसला भी समझ से परे रहा। हनुमा विहारी को पिछले टेस्ट रिकॉर्ड्स को देखते हुए प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया, लेकिन वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके।

ज्यादा लीड न होने के बाद भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्यों 36 रनों पर ही भारत ने घोषित की पारी?

एडिलेड में जारी भारत-आस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारत हार की कगार पर पहुंच गया है। आज का खेल शुरू होने से पहले हर कोई इस मैच को जीतने के लिए टीम इंडिया को प्रबल दावेदार मान रहा था, लेकिन कंगारू टीम के तेज गेंदबाजों ने करिश्माई प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया को दूसरी पारी में बस 36 रन ही बनाने दिए जिससे ऑस्ट्रेलिया टीम को इस मैच को जीतने केल लिए 90 रनों का लक्ष्य मिला है। भारतीय टीम के दूसरी पारी में जब 9 विकेट गिर गए थे, तो उस समय टीम के पास बस 89 रनों की लीड हासिल थी। इतनी कम लीड के बावजूद टीम इंडिया को अपनी दूसरी पारी 36 रनों पर ही घोषित करनी पड़ी जो उसका टेस्ट मैचों में न्यूनतम स्कोर है। इस समय हर कोई सोच रहा था कि भारत के पास ज्यादा बढ़त नहीं थी फिर भी टीम ने 36 रनों पर ही अपनी पारी घोषित क्यों की।

देश परदेश

कोरोना से जंग के लिए अमेरिका को मिला एक और हथियार, फाइज़र के बाद मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन को मिली मंजूरी

दुनियाभर में कोरोनावायरस से निपटने के लिए वैक्सीन का ट्रायल जारी है। इस बीच हर दिन लगभग 3000 मौतों से जूझने वाले अमेरिका ने फाइज़र के बाद मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन को भी मंजूरी दे दी है। अमेरिका के फूड ऐंड ड्रग ऐडमिनिस्ट्रेशन के एक पैनल ने मॉडर्ना के कोरोना वायरस वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल को मंजूरी दी है। पैनल ने इसे कोरोना से निपटने का दूसरा विकल्प बताया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि मॉडर्ना वैक्सीन का वितरण तत्काल प्रभाव से शुरू हो जाएगा। इससे पहले अमेरिका में पिछले दिनों फाइज़र द्वारा विकसित कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल को पिछले दिनों मंजूरी मिली थी और लोगों को टीके दिए जा रहे हैं। कम संख्या में उपलब्ध यह टीके ज्यादातर स्वास्थ्य कर्मियों को दिए जा रहे हैं। यह वैक्सीन काफी हद तक फाइज़र और जर्मनी की BioNtech की बनाई वैक्सीन जैसी ही है। इन वैक्सीनों पर किए जा रहे शुरुआती शोधों के मुताबिक, दोनों ही वैक्सीन सुरक्षित हैं।

हालांकि, मॉडर्ना वैक्सीन का रखरखाव आसान है क्योंकि इसे फाइज़र की तरह -75 डिग्री सेल्सियस में रखने की जरूरत नहीं है।

अमेरिका में अब तक कोरोनावायरस की वजह से 3 लाख 12 हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। बीते बुधवार को एक दिन में ही 3 हजार 600 अमेरिकियों ने कोरोना की वजह से दम तोड़ा। कोरोना ने दुनियाभर में अब तक 17 लाख लोगों की जान ली है।

फाइज़र और मॉडर्ना वैक्सीन के रखरखाव में है अंतर

फाइज़र के कोरोना टीके को माइनस -75 डिग्री सेल्सियस में रखना अनिवार्य है। यह टीका किसी भी वैक्सीन की तुलना में लगभग 50 डिग्री अधिक ठंडा होना चाहिए।

वैक्सीन को समाप्त होने से पहले केवल पांच दिनों तक रेफ्रिजरेटर में रखा जा सकता है। फाइज़र का टीका अस्पतालों के साथ ही प्रमुख संस्थानों के लिए अधिक इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं, मॉडर्ना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस टीके को सुपर-कोल्ड तापमान पर रखने की जरूरत नहीं है। मॉर्डन के टीके को माइनस-20 डिग्री सेल्सियस पर या घर के फ्रीजर के तापमान में रख सकते हैं। टीके को समाप्त होने से पहले 30 दिनों के लिए रेफ्रिजरेटर में भी रखा जा सकता है। मॉडर्ना की वैक्सीन स्थानीय श्रृंखला या फार्मासिस्ट जैसी छोटी सुविधाओं के लिए अधिक उपयोगी हो सकती है।

किन्हें दिए जा सकते हैं ये टीके?

फाइज़र वैक्सीन 16 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को दी जाएगी और मॉडर्ना वैक्सीन को 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को दी जाएगी।

स्वदेशी कोवैक्सीन के लिए कम पड़े वॉलेंटियर

भारत बायोटेक के कोविड-19 टीके के तीसरे चरण के ट्रायल लिए ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को पर्याप्त संख्या में वॉलंटियर नहीं मिल रहे हैं।

अधिकारियों का कहना है कि लोग यह सोच कर नहीं आ रहे हैं कि जब सबके लिए टीका जल्दी ही उपलब्ध हो जाएगा तो ट्रायल में भाग लेने की क्या जरूरत है। 'कोवैक्सिन' के अंतिम चरण के ट्रायल के लिए जो संस्थान तय किए गए हैं, उनमें एम्स भी है। ट्रायल के लिए संस्थान को करीब 1,500 लोग चाहिए। कोवैक्सिन का निर्माण भारत बायोटेक और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की तरफ से संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

एम्स में सामुदायिक चिकित्सा विभाग में प्रफेसर डॉक्टर संजय राय ने कहा, 'हमें 1500 से 2000 के करीब लोग चाहिए थे लेकिन अभी तक केवल 200 लोग आए हैं।

12 फरवरी से पहले चीन में 5 करोड़ लोगों को लगेगा कोरोना वायरस का टीका

चीन ने चंद्र नववर्ष 12 फरवरी से पहले पांच करोड़ लोगों को कोरोना वायरस का टीका लगाने का लक्ष्य रखा है। स्थानीय अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस हफ्ते की शुरुआत में देश भर में क्षेत्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों के अधिकारियों ने उच्च प्राथमिकता वाले समूहों के सामूहिक टीकाकरण की तैयारी के लिए एक वर्चुअल प्रशिक्षण बैठक की। समाचार पत्र ने बैठक के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के हवाले से बताया कि चीन राष्ट्रीय दवा कंपनियों साइनोफर्म और साइनोवैक द्वारा निर्मित दो खुराक वाले टीकों की 10 करोड़ खुराक देने के लिए तैयार है। देश में निकट भविष्य में टीकाकरण अभियान शुरू होने की उम्मीद है, लेकिन अलग-अलग प्रांतों में इसकी तारीखें अलग हो सकती हैं। समाचार पत्र ने बताया कि अधिकारियों को पहली पांच करोड़ खुराक का इंजेक्शन 15 जनवरी तक और दूसरी पांच करोड़ खुराक का पांच फरवरी तक पूरा करने के लिए कहा गया है। विश्व में 7.49 करोड़ अधिक लोग कोरोना से संक्रमित

दूसरी ओर, दुनियाभर में 7.49 करोड़ से अधिक लोग कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी की चपेट में आ चुके है, जबकि 16.61 लाख अधिक लोगों की इस जानलेवा विषाणु से मौत हो चुकी हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक विश्व के 191 देशों में कोरोना वायरस से अब तक 7.94 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 16 लाख 61 हजार 115 मरीज की मौत हो चुकी हैं। अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावित,

भारत दूसरे नंबर पर कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में अब तक 1.71 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि तीन लाख, दस हजार 456 लोगों की मौत हुई है। संक्रमण के मामलों के हिसाब से दूसरे सबसे बड़े देश भारत में संक्रमितों की संख्या 99.79 लाख से ज्यादा हो गई है। वहीं 95.20 लाख से अधिक लोग संक्रमण मुक्त हुए हैं। नए मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक रहने से सक्रिय मामले घटकर 3.13 लाख रह गए हैं, जबकि मृतकों की संख्या बढ़कर 1,44,789 हो गई है।

अमेरिका ने फाइजर के बाद मॉर्डना की कोरोना वैक्सीन को दी मंजूरी, डोनाल्ड ट्रंप ने किया ऐलान

अमेरिका में कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण की शुरुआत होने के कुछ ही समय बाद शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मॉर्डना द्वारा विकसित कोविड-19 टीके को मंजूरी दे दी गई है और तुरंत ही इसे दूसरे देशों को भेजना शुरू किया जाएगा। हालांकि, इस फैसले को लेकर अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की तरफ से कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है।

वहीं उन्होंने एक बार फिर अपने ट्वीट में कोरोना को चीन का वायरस बताया और कहा कि इस वायरस से प्रभावित दुनिया के दूसरे हिस्सों में वैक्सीन को को जल्द पहुंचाया जा रहा है। ट्रंप ने ट्वीट में लिखा, "चीन के वायरस ने युरोप और दुनिया के दूसरे हिस्सों को बुरी तरह से प्रभावित किया है। खासतौर पर जर्मनी, फ्रांस, स्पेन और इटली में। वैक्सीन को जल्द वहां पहुंचाया जा रहा है।"

आपको बता दें कि एफडीए की सलाहकार समिति ने मॉर्डना द्वारा विकसित कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है।

स्वतंत्र वैज्ञानिकों एवं लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञों वाली एफडीए की वैक्सिन ऐंड रिलेटड बायोलॉजिकल प्रोडक्ट्स एडवाइजरी कमेटी ने बृहस्पतिवार को एक बैठक में मॉर्डना के कोविड-19 टीके 'एमआरएनए-1273' के आपात इस्तेमाल की सिफारिश करते हुए इसके पक्ष में मतदान किया।

खाद्य एवं औषधि आयुक्त स्टीफन हान ने कहा कि मॉर्डना के कोविड-19 टीके को लेकर सलाहकार समिति की बैठक से निकले निष्कर्ष के अनुरूप एफडीए ने कंपनी को सूचित किया है कि टीके के आपात इस्तेमाल के लिए मंजूरी संबंधी आगे की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने

अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र तथा ऑपरेशन वार्प स्पीड को भी इस संबंध में सूचित किया है ताकि वे टीका वितरण संबंधी अपनी योजनाओं पर काम शुरू कर सकें।

एफडीए ने इससे लगभग एक सप्ताह पहले अमेरिकी दवा कंपनी फाइजर और उसके जर्मनी के सहयोगी बायोएनटेक द्वारा विकसित कोविड-19 के टीके के आपात इस्तेमाल की मंजूरी 12 दिसंबर को दी थी। अमेरिका में अब तक 3,10,000 से ज्यादा लोगों की मौत इस खतरनाक वायरस की वजह से हो चुकी है।

टी सीरिज ने लॉन्च किया एजाज खान का म्यूजिक वीडियो 'ओह मां'

अब तक कई फ़िल्मों और टेलीविज़न धारावाहिकों में काम कर चुके एजाज़ खान अपनी रफ एंड टफ छवि के लिए जाने जाते हैं,

लेकिन भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी सीरिज द्वारा लॉन्च किए गए अपने सिंगल सांग "ओह माँ' के वीडियो लॉन्च के दौरान वह अपने सॉफ्ट साइड को सबके सामने लाए। खुद एजाज़ खान ने इस भावनात्मक गीत के बोल लिखे हैं, जिसे रितेश तिवारी ने गाया और कंपोज किया है, जिसका निर्देशन तेजल पटनी ने किया है। इस वीडियो के प्रोड्यूसर रज़ा बेग हैं और इस विडियो में एजाज़ खान और उनके बेटे अदान खान दिखाई दे रहे हैं, साथ ही अंतिमा शर्मा ऑन-स्क्रीन माँ की भूमिका निभा रही हैं।

मुंबई के अंधेरी में बॉम्बे ब्रीज़ कैफे के शानदार छत पर शुक्रवार रात को हुए इस शानदार कार्यक्रम में कई ख़ास मेहमान मौजूद थे। इस हसीन शाम के मेजबान करण सिंह ने इस अभिनेता के व्यक्तिगत पहलू का खुलासा करके मेहमानों और मीडिया को अचंभित कर दिया, जिन्होंने बॉलीवुड की फिल्म लकीर का फकीर और 'या रब' से डेब्यू किया था।

एक सवाल के जवाब के दौरान एजाज़ खान ने इस मौके पर कहा, "जिस की माँ नहीं होती, उससे पूछो माँ की कीमत क्या होती है।" वाकई एजाज़ खान ने यह बात एकदम सही कही कि उन दुर्भाग्यपूर्ण लोगों से पूछें जिन्होंने अपनी माँ को खो दिया है और वे आपको अपने जीवन में माँ के महत्व के बारे में बताएंगे।

एज़ाज खान ने अपनी पत्नी आयशा खान और परिवार को मंच पर आमंत्रित किया और सबसे दिलचस्प पहलू उनके बेटे के साथ उनकी बातचीत थी, जिसने बड़े आत्मविश्वास के साथ और हास्य के साथ एजाज खान और होस्ट के कई सवालों का जवाब दिया।

एजाज़ खान की आंखें एक पल के लिए नम हो गईं जब उन्होंने अपनी माँ के साथ बिताए हुए अच्छे समय को याद किया तो उनकी आंखों में आँसू आ गए, उनकी मां अब इस दुनिया में नहीं हैं। इस कार्यक्रम की इवेंट मैनेजर शाज़ मीडिया एंटरटेनमेंट की नगमा ख़ान ने यहां मीडिया वालों को कहा कि वे एजाज़ खान और पूरी टीम से सवाल कर सकते हैं।

इस भव्य म्यूज़िक लॉन्च के अवसर पर एजाज़ खान को चियर करने के लिए मौजूद हस्तियों में सिनेयुग के एमडी मोहम्मद मोरानी, फैशन डिजाइनर लकी मोरानी, सुशांत सिंह राजपूत की आखरी फिल्म दिल बेचारा के निर्देशक मुकेश छाबड़ा, अमिताभ बच्चन के पार्टनर सुहैल खंडवानी, अभिनेता राहुल भट्ट,

अभिनेता शहबाज़ खान, आश्रम वेब सिरीज़ के कलाकार प्रीति सूद और जहांगीर खान, अजय गोसालिया, योगेश लखानी, अमजद खान, साजन अग्रवाल, श्वेता राठौर, स्वराज कपूर, मीरा उपाध्याय, प्रिया शुक्ला, फिरोज शमा, रियाज भाटी, बिग कर्टेस के शकील हाशमी, नुर सिद्दीकी, अनीस अहमद, बोनी खान और कोरियोग्राफर फिरोज खान शामिल थे।

फिल्म अभिनेता सुदीप पांडे द्वारा राज्य मंत्री बच्चूभाई कडू 'नॉर्थ इंडिया चेंबर ऑफ कॉमर्स' की मीटिंग सम्मानित

वाशी (नवी मुंबई) : 'नॉर्थ इंडिया चेंबर ऑफ कॉमर्स' द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन वाशी में 17 दिसंबर 2020 किया गया था। जहाँ पर अकोला के रहनेवाले व राज्य मंत्री (महाराष्ट्र सरकार) बच्चूभाई कडू,महाराष्ट्र चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स के उपाध्यक्ष रविंद्र मानगावे, 'नॉर्थ इंडिया चेंबर ऑफ कॉमर्स' के अध्यक्ष व फिल्म स्टार सुदीप पांडे व उपाध्यक्ष संजीत ठाकुर, परवेज खान, सलीम सारंग (अध्यक्ष MIND, नवी मुंबई) व नवी मुंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति इत्यादि लोगों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर फिल्म अभिनेता सुदीप पांडे द्वारा राज्य मंत्री बच्चूभाई कडू को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विभिन्न बिज़नेस पर पड़े कोविद संकट बारे में चर्चा हुई।राज्य मंत्री बच्चूभाई कडू ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उन्हें महाराष्ट्र सरकार से पूरा समर्थन मिलेगा।

इस अवसर पर सुदीप पांडे ने कहा," बच्चूभाई एक आइकन है। उन्होंने सभी बिज़नेस को बढ़ावा देने के साथ-साथ उत्तरभारतीयों की समस्याओं को भी दूर करेंगे और 'नॉर्थ इंडिया चेंबर ऑफ कॉमर्स' को भी पूरा सहयोग करेंगे।"

माँ से मिलने गांव पहुंचे अभिनेता राजेश सिंह

गौरतलब है की अभिनेता राजेश सिंह इन दिनों कई टीवी शोज में काम कर रहे हैं। इसी बीच उन्होंने कुछ समय निकाल कर अपने परिवार से मिलने और उनके साथ समय बिताने गांव पहुंच गए हैं। आपको बता दू की अभिनेता राजेश सिंह बिहार के रोहतास जिले के दिनारा प्रखंड के भानपुर गाँव के रहने वाले हैं। राजेश सिंह ने इसी गॉव से निकल कर, कई चुनौतियों का सामना करते हुए, कड़ी मेहनत और संघर्ष के बदौलत टीवी इंडस्ट्री में अपना एक नाम बना चुके हैं। राजेश सिंह ने संजना सिनेग्लोबल से बात करते हुए कहा की माँ से मिले हुए एक वर्ष से अधिक हो गया था और गांव अपनी और खींच रहा था तो सोचा की कुछ दिन शहर के भागदौड़ से समय निकाल कर कुछ दिन गांव में अपने परिवार को समय दिया जाए। यहाँ पर माँ के हाथो से बना स्वादिष्ट व्यंजन का लुफ्त उठा रहे हैं और खुब मस्ती हो रही है। कुछ नए -पुराने मित्रों से मिला और कुछ कार्यक्रम में शामिल हुआ। अभी थोड़े दिन ऐसा ही चलेगा। इसके बाद फिर से मुंबई वापसी होगी। ज्ञात हो की राजेश सिंह का 'स्टोरी 9 मंथ्स की' नामक एक टीवी शो का सोनी चैनल पर अभी हाल ही में प्रसारण शुरू हुआ है जिसमे ये राकेश का भूमिका निभा रहे हैं जो सारंगधर पांडेय का बिलकुल नजदीकी और विश्वासी मित्र हैं। इस शो के अतिरिक्त राजेश सिंह ने विद्या, मरियम खान रिपोर्टिंग लाइव, विघ्नहर्ता गणेश, ये हैं मोहब्बतें, कुमकुम भाग्य आदि टीवी शोज़ में काम किया है।

रेमो डिसूजा हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होकर पहुंचे घर, कुछ इस तरह हुआ स्वागत

कोरियोग्राफर और डायरेक्टर रेमो डिसूजा अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर वापस आ गए हैं। कुछ दिनों पहले उन्हें हार्ट अटैक आने के बाद हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था, जहां पर उनका इलाज चल रहा था। रेमो डिसूजा ने वापस घर आने के बाद फैन्स और अपने कुछ करीबी लोगों को शुक्रिया कहा है।

रेमो डिसूजा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें दिख रहा है कि घर पर उनका शानदार स्वागत किया गया है। रेमो ने कैप्शन में लिखा, ''प्रार्थनाओं और आशीर्वाद के लिए आप सभी का धन्यवाद। मैं वापस आ गया हूं। इस खूबसूरत स्वागत के लिए गैब्रिएल डिसूजा, एडोनिस और एडी को थैंक्यू। मेरे सभी दोस्तों को भी शुक्रिया।" वीडियो में रेमो डिसूजा लोवर और टी-शर्ट में नजर आ रहे हैं। वह बलून्स से घिरे हुए हैं और कैमरे के सामने थम्ब्स अप कर रहे हैं। फैन्स उनकी वापसी पर वेलकम कर रहे हैं। रेमो के इस पोस्ट पर टेंरेस लुईस ने कमेंट करते लिखा, "आपने मेरा दिन बना दिया। आपको घर पर देखकर बहुत खुशी हुई। मैं आपसे मिलने के लिए जल्द आ रहा हूं। गीता कपूर ने कमेंट बॉक्स में लिखा, "बहुत खुशी हुई कि आप घर आ गए। आप हमेशा स्वस्थ, हेल्दी और खुश रहें।" बताते चलें कि इससे पहले पत्नी लिजेल ने हॉस्पिटल से रेमो डिसूजा का एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वह चेयर पर बैठकर टैप डांस करते नजर आए थे।

सना खान के साथ अपनी शादी बेमेल बताने पर अनस सैयद ने दिया जवाब

सना खान इन दिनों फिल्म इंडस्ट्री को छोड़ मौलाना अनस सैयद संग शादी करने को लेकर चर्चा में हैं। सना अक्सर अनस संग फोटोज और वीडियो शेयर करती रहती हैं। शादी के बाद अनस और सना की जोड़ी को कई लोगों ने बेमेल बताया। अब इसपर अनस सैयद ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

ईटाइम्स के बातचीत के दौरान अनस सैयद ने बताया कि लोग इस बारे में सोचने के लिए स्वतंत्र है कि हमारी जोड़ी बेमेल हैं। उन्होंने ''मैंने भगवान से प्रार्थना की थी कि मैं सना से शादी करना चाहता हूं और उन्होंने मेरी प्रार्थना सुन ली। मुझे लगता है कि अगर मैं किसी और से शादी करता तो इतना खुश नहीं रहता।" वह आगे कहते हैं, "सना मिलनसार और साफ दिल की हैं।

मैं हमेशा से ऐसी लड़की से शादी करना चाहता था जो मुझे पूरा करे। लोग अभी भी सोचते हैं कि मैंने एक मैंने एक एक्ट्रेस से शादी कैसे कर ली लेकिन ये छोटी सोच के लोग हैं। यह मेरी लाइफ है और किसी को भी इस पर कमेंट नहीं करना चाहिए। लोग यह सोचने के लिए स्वतंत्र हैं कि हमारी जोड़ी बेमेल हैं, लेकिन सिर्फ हम ही जानते हैं कि हम एक-दूसरे के लिए कितने अनुकूल हैं।" इसके अलावा अनस सैयद ने बताया कि उन्होंने सना पर फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का दबाव कभी नहीं बनाया। उन्होंने कहा, "मैंने कभी उन पर इसके लिए दबाव नहीं डाला। उन्होंने इंस्टाग्राम पर 6 महीने पहले ही इस बात का ऐलान किया था कि वह हिजाब पहनने वाली हैं। तब लोगों ने सोचा था कि शायद यह कोरोना और लॉकडाउन के चलते है क्योंकि उनके पास काम नहीं है। लेकिन हमेशा खुद को उस चीज से जोड़ना चाहती थीं, जो वह कर रही हैं। मैं उन्हें कुछ समय देना चाहता था, लेकिन उनका इरादा पक्का था। यहां तक कि मैं खुद हैरान हुआ, जब उन्होंने इंडस्ट्री छोड़ने का ऐलान किया।"

अभिनेत्री अनुपम शुक्ला ने जन्मदिन मनाया बॉलीवुड सेलिब्रिटी और फ्रेंड्स के साथ

अभिनेत्री अनुपम शुक्ला ने जन्मदिन मनाया बॉलीवुड सेलिब्रिटी और फ्रेंड्स के साथ गायक अरविंदर सिंह, अभिनेता रवि गोसाईं, योगीराज, पार्थ मेहरोत्रा, आशीष सिंह (स्पोर्ट्स नूट्रिशनिस्ट और लाइफस्टाइल कोच), चैनल प्रमुख दीपक गोस्वामी न्यूज़ 1 इंडिया, प्रीतम शर्मा, निर्देशक संतराम, शालिनी मालवीया, तान्या राणा (क्लब प्रमोटर), सपना सींग, किसले कुमार (मार्केटिंग हेड), सनी जैन (बिजनेसमैन), येजदी ईरानी, रमाकांत मुंडे (मूंडे न्यूज़), और टिंकू जी (बॉलीवुड अड्डा न्यूज़ चॅनेल) ये सब मेहमान जन्मदिन की शुभकामनाये देने के लिए उपस्थित थे.

हिन्दुस्तान की 'सिंगिंग रॉकस्टार' बनीं दीक्षा और पूर्णिमा, कैलाश खेर ने चुने विजेता

बीते तीन महीनों से चली आ रही 'हिन्दुस्तान सिंगिंग रॉकस्टार' प्रतियोगिता में दीक्षा वर्मा को सीनियर कैटिगरी में पहला स्थान मिला है। जूनियर कैटिगरी में पूर्णिमा दीक्षित श्रेया को विजेता घोषित किया गया है। इसके साथ ही बीते तीन महीनों से चला आ रहा इंतजार खत्म हो गया। इस प्रतियोगिता में जज के तौर पर शामिल हुए दिग्गज गायक कैलाश खेर ने सीनियर और जूनियर कैटिगरी के विजेताओं का ऐलान किया है। अगस्त में इस ऑनलाइन प्रतियोगिता का आगाज किया गया था। इसकी थीम थी, भविष्य के कैलाश खेर की खोज करना। ऑडिशन की घोषणा करते ही प्रतियोगियों की बाढ़ आ गई थी।

प्रतिभागियों को चुने हुए 20 गानों की सूची में से किसी एक गाने पर अपना 90 सेकेंड का वीडियो बनाकर अपलोड करना था। दमदार आवाज वाले हजारों प्रतियोगियों ने अपनी प्रविष्टियां हमें भेजीं। इनमें से शॉर्टलिस्ट किए गए कलाकारों को भाग लेने का मौका मिला। इसके बाद कड़े मुकाबले से गुजरते हुए ग्रैंड फिनाले का दिन आया। सेलिब्रिटी जज कैलाश खेर के सामने अपनी ऑनलाइन प्रस्तुति देने के लिए प्रतियोगियों में जबरदस्त उत्साह था। यहां जमकर मुकाबला हुआ। जूनियर कैटिगरी में पूर्णिमा विजेता रहीं। फर्स्ट रनरअप आस्था लौहार और सेकेंड रनरअप अना जैमान रहे। वहीं जजिस च्वाइस आद्या मिश्रा रहीं। सीनियर कैटेगरी में दीक्षा प्रथम आईं। फर्स्ट रनरअप सौम्या मिश्रा और सेकेंड रनरअप नंदन बरुआ रहे और जजों की च्वाइस आशीष पाल रहे।

प्रतियोगित में जूनियर कैटिगरी में भाग लेने के लिए 12 से 18 वर्ष की आयु तय की गई थी। 18 वर्ष से अधिक आयु वाले प्रतिभागियों सीनियर श्रेणी में रखा गया था। प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के बाद प्रतिभागियों को वॉट्सऐप या फिर ट्विटर के जरिए अपना रिकॉर्डेड गाना भेजना था। सभी प्रविष्टियों को कैलाश खेर की टीम के एक्सपर्ट्स और फीवर एफएम 104 के आरजे की ओर से स्क्रीन गया था। हिंदुस्तान सिंगिंग रॉकस्टार के विजेता को 50,000 रुपये का इनाम मिला है, जबकि पहले रनर-अप को 25,000 रुपये और दूसरे रनर-अप को 15,000 रुपये मिले हैं।

युवा कैटेगरी में 'जूनियर रॉकस्टार' के फाइनल विजेता को 21,000 रुपये का पुरस्कार दिया गया है, जबकि पहले रनर-अप और दूसरे रनर-अप को क्रमशः 15,000 रुपये और 11,000 रुपये मिले। इस कैटेगरी में 10,000 रुपये का पीपुल्स च्वाइस अवार्ड भी था। विजेताओं को हिंदुस्तान टाइम्स समूह द्वारा आयोजित म्यूजिकल कंसर्ट में एक प्रसिद्ध बॉलीवुड सिंगर के साथ लाइव परफॉरमेंस में अपना टैलेंट दिखाने का मौका मिलेगा। उप विजेता को फीवर 104 एफएम पर एक जैमिंग सेशन में भाग लेने का मौका मिलेगा।

शादी के बाद सपना चौधरी ने मनाया पति वीर साहू का पहला बर्थडे, बेटा भी था साथ

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी ने शादी के बाद पहली बार अपने पति वीर साहू का जन्मदिन मनाया है। इसी साल जनवरी में शादी करने वालीं सपना चौधरी ने पति का जन्मदिन सेलिब्रेट करने की तस्वीरें अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर की हैं।

इनमें से एक तस्वीर में उनके पति वीर साहू ने बेटे का गोद में ले रखा है और वह भी प्यार से बच्चे को निहार रही हैं। इस फोटो के साथ सपना चौधरी में कैप्शन में लिखा, 'मेरे किंग वीर साहू को हैप्पी बर्थडे।' इसके अलावा एक अन्य तस्वीर में वह पति के साथ खड़ी नजर आ रही हैं। दोनों ने ही पीले रंग के कपड़े पहने हुए हैं। इस ड्रेस में दोनों ही काफी अच्छे लग रहे हैं।

अक्टूबर में मां बनने वालीं सपना चौधरी ने कुछ दिनों पहले ही बेटे के साथ अपनी पहली तस्वीर शेयर की थी। इसमें वह बच्चे को प्यार से गोद में लिए हुए नजर आ रही हैं। सपना चौधरी के पति वीर साहू भी हरियाणवी गाने लिखते हैं और ऐक्टिंग करते हैं। स्टेज परफॉर्मेंस के लिए हरियाणा सहित कई राज्यों में लोकप्रिय सपना चौधरी अकसर अपनी फैमिली के साथ इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

हालांकि उनकी शादी की खबर उनके मां बनने के बाद ही मिली थी। इसे लेकर उनकी मां ने कहा था कि वीर साहू के किसी परिजन के निधन के चलते सादे समारोह में ही शादी हुई थी, इसलिए किसी को खबर नहीं मिली थी। बता दें कि मां बनने के बाद भी सपना चौधरी काफी ऐक्टिव हैं। हाल ही में उनके दो गाने 'कत्ल' और नलका रिलीज हुए हैं। दोनों गानों को कुछ ही दिनों में लाखों व्यूज मिले हैं। नलका में गाने में तो बॉलिवुड के ऐक्टर सनी देओल भी नजर आते हैं।

दरअसल यह गाना सनी देओल की ही मूवी गदर से प्रेरित है। इस गाने में सनी देओल के नल उखाड़ने वाले सीन को भी दिखाया गया है। बता दें कि सपना चौधरी को यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी पसंद किया जाता है। उनकी स्टेज परफॉर्मेंस वाले वीडियोज और गानों के करोड़ों में व्यूज हैं।

'ड्रग्स' वाले वीडियो पर नोटिस का करण जौहर ने दिया NCB को जवाब, जानें क्या कहा

बॉलिवुड के निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से मिले नोटिस का जवाब दिया है। एनसीबी की ओर से जारी नोटिस में कथित तौर पर उनके घर की एक पार्टी के वायरल वीडियो को लेकर सफाई मांगी गई थी। इस वीडियो के जरिए यह आरोप लगाया जा रहा था कि पार्टी में ड्रग्स का इस्तेमाल हुआ है। अपने वकील के जरिए नोटिस का जवाब देते हुए करण जौहर ने कहा कि उनकी पार्टी में ड्रग्स का इस्तेमाल नहीं हुआ है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करण जौहर के वकील की ओर से एनसीबी को एक पेन ड्राइव दिया गया है।इस पेन ड्राइव में करण जौहर का बयान भी है। इसके अलावा करण जौहर ने अपनी उस पार्टी के कुछ और वीडियो एवं फोटो भी एनसीबी को मुहैया कराए हैं, जो अब तक पब्लिक डोमेन में नहीं थे। इसके अलावा पार्टी में आए लोगों की लिस्ट भी करण जौहर ने दी है। यही नहीं उन लोगों की लिस्ट भी करण जौहर की ओर से दी गई है, जिन्हें आमंत्रण तो दिया गया था, लेकिन वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए थे। अब एजेंसी की ओर से करण जौहर के दावे की सत्यता की जांच की जाएगी। करण जौहर की उस पार्टी में वरुण धवन, रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, शाहिद कपूर, विक्की कौशल और मलाइका अरोड़ा जैसे सितारों को देखा गया था। एनसीबी की ओर से वायरल वीडियो को लेकर करण जौहर को एनडीपीएस ऐक्ट की धारा 67(B) के तहत नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस के तहत करण जौहर को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने से छूट दी गई थी। हालांकि जिस व्यक्ति को नोटिस जारी किया गया था, उसकी ओर से सहयोग किया जाना जरूरी है। इससे पहले भी वीडियो वायरल होने और ड्रग्स के इस्तेमाल के आरोपों का करण जौहर ने खंडन किया था। बता दें कि ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से एनसीबी बॉलिवुड में ड्रग्स के नेक्सस की जांच में जुटी है।

अब इजरायल में भी कोरोना वैक्सीनेशन शुरू, पीएम नेतन्याहू ने लगवाया पहला टीका

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव का टीका लगवाया। इस कार्यक्रम का टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया गया। नेतन्याहू कोरोना वायरस रोधी टीका लगवाने वाले अपने देश के पहले व्यक्ति हैं। इसके साथ ही वह दुनिया के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं जिन्होंने यह टीका लगवाया है।

इजरायली पीएम और स्वास्थ्य मंत्री को दी गई फाइजर वैक्सीन

उन्होंने कहा कि वह खुद का उदाहरण पेश करने के लिए सबसे पहला टीका लगवाना चाहते थे और इसके जरिए लोगों को प्रेरित भी करना चाहते थे। नेतन्याहू के साथ इजरायल के स्वास्थ्य मंत्री युली एडेलस्टीन को भी कोरोना वैक्सीन की डोज दी गई। इन दोनों नेताओं को फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन दिए जाने के बाद आधिकारिक रूप से इजरायल में वैक्सीनेशन प्रोग्राम को लॉन्च कर दिया गया है।

नेतन्याहू को जल्द ही हालात सामान्य होने की उम्मीद

वैक्सीनेशन के बाद नेतन्याहू ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इजरायल में जल्दी ही हालात पहले की तरह सामान्य हो जाएंगे। उन्होंने इसे आगे बढ़ने वाला समय बताते हुए कहा कि इससे व्यवसायों को जोड़ने से काम जल्द शुरू हो सकेगा और लोग पहले की तरह जीवन यापन कर सकेंगे।

पहले स्वास्थ्यकर्मियों को दी जाएगी खुराक इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि रविवार से पूरे इजरायल में फ्रंट लाइन वर्कर्स को 10 अस्पतालों और टीकाकरण केंद्रों पर कोरोना वैक्सीन की डोज दी जाएगी। इके बाद वैक्सीनेश प्रोग्राम को आम जनता के लिए शुरू किया जाएगा। पहले चरण में 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को प्राथामिकता के आधार पर वैक्सीन की डोज दी जाएगी।

विशेषज्ञों ने कहा- हो सकता है भारत में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर नहीं आए

नई दिल्ली, कोरोना का कहर खत्म होने का इंतजार कर रहे भारतीयों के लिए अच्छी खबर है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा है कि हो सकता है कि देश में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर नहीं आए। उन्होंने कहा कि अगर यह आती भी है तो यह पहली जितनी ताकतवर होने की संभावना नहीं है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब देश में कोविड-19 के मामलों की संख्या एक करोड़ के पार हो गई है। हालांकि प्रतिदिन सामने आने वाले नए मामले और प्रतिदिन होने वाली मौत के मामलों में लगातार कमी आ रही है। जानेमाने वायरोलॉजिस्ट डा. शाहिद जमील ने कहा कि भारत में प्रतिदिन सामने आने वाले मामलों में कमी देखी गई है जो बीच सितम्बर में शीर्ष स्तर पर थे। उन्होंने कहा, 'इस समय प्रतिदिन करीब 25 हजार मामले सामने आ रहे हैं जबकि मध्य सितम्बर में प्रतिदिन 93 हजार से अधिक मामले सामने आ रहे थे। हालांकि नवम्बर के आखिर की तरह थोड़े समय के लिए नए मामलों में वृद्धि देखी जा सकती है।' उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि एक दूसरी लहर आएगी क्योंकि त्योहारी मौसम (दशहरा से दिवाली) और एक राज्य के चुनाव मामलों में बिना किसी अधिक वृद्धि के संपन्न हो गए हैं। इसका कारण क्या है? दूसरे राष्ट्रीय सीरोसर्वे के अनुसार संभावित मामले पुष्ट मामलों का 16 गुणा हैं। इसके अनुसार तो भारत में अब 16 करोड़ मामले होंगे।'

बेस्ट से किसी को भी नौकरी से नहीं निकाला जाएगा: मेयर किशोरी पेडनेकर

मुंबई, मुंबई की बेस्ट बस सेवा के कर्मचारियों की छंटनी नहीं कि जाएगी। यह बयान दिया है मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने। परिवहन विभाग की हालत काफी खस्ताहाल है। इसकी स्थिति को सुधारने के लिए बेस्ट बस के बेड़े में 40 अन्य बसों को भी जोड़ा जाएगा। मेंटेनेंस की जिम्मेदारी ठेकेदारों की बेस्ट बसों के मेंटेनेंस की जिम्मेदारी ठेकेदारों की होगी। वह इस बात का ख्याल रखेंगे की सारी बसें दुरुस्त रहें और उन पर काम करने वाले ड्राइवर और कंडक्टर भी कुशल हों। हम बेस्ट के किसी भी कर्मचारी की छटनी नहीं करेंगे। मुंबईकरों की सेवा के लिए हमारा परिवहन विभाग उतना सक्षम नहीं है इसे और भी सक्षम बनाना है। मुंबई को बेस्ट बनाने के लिए जो भी संभव होगा सब किया जाएगा। इसलिए अच्छे ड्राइवर और कंडक्टर ठेकेदार उपलब्ध करवाएं यह उनकी जिम्मेदारी है। 26 इलेक्ट्रिक बस मुंबई की सेवा में मुंबई बेस्ट बस के बेड़े (Electric buses in BEST Fleet) में हाल ही में 26 नई बसें शामिल हुई हैं।

मेकिंग द डिफ्रेंटस द एनजीओ द्वारा मुंबई के 2000 डिब्बेवालों को रासन वितरण किया

मेकिंग द डिफ्रेंटस द एनजीओ के अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा ने मुंबई के करीब 2000 डब्बा वाले को राशन बांटने का कार्यक्रम आयोजिन सेवन एलेवेन स्कूल के ग्राऊंड में किया इस अवसर पर मिरा-भाईन्दर भूतपूर्व आमदार नरेन्द्र मेहता पूर्व महापौर डिंपल मेहता उप महापौर हशमुख गेहलोत सभासत प्रशांत पाटिल और अन्य महानुभाव की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ऑनलाइन फ्रॉड , लघु उद्यमी से 1.15 लाख की ठगी

नागपुर। लघु उद्यमी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गया। पाउडर दिलाने का झांसा देकर उसे चूना लगा दिया गया। गुरुवार को हुड़केश्वर थाने में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। पीड़ित चक्रपाणी नगर निवासी लघु उद्यमी किशोर टेकाले (49) है। उसका कपूर बनाने का कारोबार है। कपूर बनाने के लिए किशोर को पाउडर की जरूरत थी। पाउडर की ऑनलाइन तलाश करने पर किशोर को अहमदाबाद की होम इंडस्ट्रीज का फोन नंबर मिला। राहुल नामक व्यक्ति से बात करने पर उसने कपूर बनाने के लिए लगने वाला कच्चा पाउडर उसके पास मिलने की बात कही। यह घटना 30 अगस्त से 17 दिसंबर 2020 के बीच की है। गूगल पे से ट्रांसफर की रकम किशोर ने राहुल ने बताए उसके कैनरा बैंक के खाते में गूगल-पे के जरिए 1 लाख 15 हजार 500 रुपए ऑनलाइन ट्रासंफर किए, लेकिन रुपए भेजने के काफी दिन बाद भी किशोर को कच्चा पाउडर नहीं मिला है। किशोर ने राहुल को फोन किया तो फोन बंद था। ठगे जाने का एहसास होने पर किशोर ने हुड़केश्वर थाने में इसकी शिकायत की। जांच-पड़ताल में धोखाधड़ी की पुष्टि होने पर को राहुल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया।

रासायनिक विस्फोट - एक की मौत और दूसरा गंभीर, धमाके से अस्पताल की खिड़की के शीशे टूटे

बीड। जीजामाता चौंक पर प्लाईवुड के एक गोदाम में सुबह साढ़े 11 बजे रासायनिक विस्फोट होने से एक की मौत हो गई। हादसे में दो गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामला दर्ज कर कारणों की जांश शुरु कर दी गई। मृतक का नाम अनिरुद्र संजयराव पांचाल है, उम्र 30 साल बताई जा रही है। उसके अलावा एक अन्य घायल हुआ, जो रिक्शा चालक हैं। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया। आपको बता दें यह हादसा चंपावती प्लाईवुड के गोदाम में रखे रसायन के विस्फोट होने से हुआ। इसी बीच डॉग स्क्वायड के साथ पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मिली जानकारी के अनुसार धमाका इतना भीषण था कि उसे दूर तक महसूस किया गया। एक किलोमीटर दूर तक विस्फोट की आवाज सुनी गई थी। इसी बीच एक निजी अस्पताल की इमारत का शीशा भी चकनाचूर हो गया। लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। मृतक लक्ष्मणनगर का रहने वाला था। विस्फोट में घायल सुनील नामक रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। गैस के कारण रासायनिक विस्फोट हुआ था। पुलिस ने रसायनों के साथ वहां मौजूद सामग्री के नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। मृतक अनिरुद्र पिछले तीन साल से गोदाम में काम कर रहा था। उसके पीछे पत्नी और एक बेटा है। जिसके सिर से बाप का साया उठ गया।

कागजों का बंडल थमा कर 35 हजार के आभूषण लेकर रफू-चक्कर

नागपुर। दो लाख रुपए देने का झासा देकर दो आरोपियों ने दो सहेलियों को कागजों का बंडल थमा दिया और उनके सोने के आभूषण तथा मोबाइल लेकर फरार हो गए।। घटना दिनदहाड़े लकड़गंज थानांतर्गत हुई है। आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है, लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिला है।

आपस में विवाद करने का किया नाटक

डिप्टी सिग्नल निवासी दुर्गा रवि शाहू (27) और उसकी सहेली सुनीता शाहू घरेलू नौकरानी है। गुरुवार की दोपहर करीब 3.30 बजे के दौरान अपना काम निपटाकर दोनों पैदल घर के लिए निकली थीं। बीच रास्त में जूना भंडारा रोड पर एक बैंक के पास 20 वर्षीय अपरिचत युवक उन्हें मला। उसने बुटीबोरी जाने वाले मार्ग का पता पूछा। जब दोनों महिलाएं उसे पता बता रही थीं, तभी युवक का परिचित 27 वर्षीय एक और व्यक्ति वहां पर आ धमका। वह युवक से विवाद करने लगा। दोनों के बीच रुपए के लेन-देन की बात चल रही थी, जिससे सहेलियों में से एक ने उनसे पूछा कि कितने रुपए हैं, जिसके लिए लड़ रहे हो। इस बीच युवक ने एक बक्सा दुर्गा को यह कहकर थमाया कि इसमें दो लाख रुपए हैं। उसका विवाद करने वाला साथी मतिमंद है, इस कारण वह रुपए का बक्सा उसे नहीं दे सकता है। बुटीबोरी से आने तक वह बक्सा उन दोनों के पास रखने के लिए दिया।

आभूषण रख लिए

सहेलियां कहीं दो लाख रुपए का गबन न करें, इसलिए उनके सोने के आभूषण और दोनों के मोबाइल अपने पास रख लिए। घर जाने के बाद जब सहेलियों ने बक्सा खोलकर देखा, तो उसमें कागजों के बंडल के ऊपर 50 रुपए का नोट चिपकाया हुआ था। आरोपियों ने उनके 35 हजार 500 रुपए के आभूषणों पर हाथ साफ किया है। प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपियों की सरगर्मी से तलाश जारी है।

फैक्ट्री की छत ढहने से 4 की मौत, 2 घायल

नई दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली के ख्याला क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री की छत शनिवार को ढह गई, जिससे 4 मजदूरों की मौत हो गई तथा 2 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ख्याला के विष्णु गार्डन इलाके में स्थित फैक्ट्री में मोटर वाइंडिंग का काम होता था। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा कि अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी पूर्वाह्न लगभग 10 बजे मिली जिसके बाद दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) सुबोध कुमार ने कहा कि घटना के समय तीन महिलाओं समेत छह मजदूर फैक्ट्री में मौजूद थे। कुमार ने कहा कि अधिकारियों के एक दल ने उन्हें बाहर निकाला और दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल तथा गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल ले जाने पर, छह में से चार मजदूरों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया और दो का इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान साइना (36), गुड्डी (45), ट्विंकल (25) और रमेश (35) के रूप में की गई है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।